राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार, 05 फ़रवरी–2022 वर्ष–4,अंक–373 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त खबरें

सांसद ओवैसी की कार पर फायरिंग करने वाले दो हमलावरों को 14 दिन की जेल

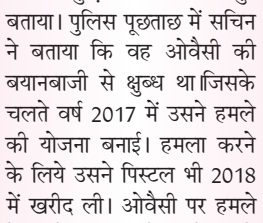

नई दिल्ली। असदुद्दीन ओवैसी के काफिले पर हमला करने वाले दोनों आरोपी सचिन और शुभम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शुक्रवार की दोपहर को जिला न्रोयायालय में पेशकिया। जहां से न्यीयाधीश ने आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। हापुड़ के पिलखुवा स्थित छिजारसी टोल प्लाजा पर गुरुवार की शाम करीब 6 हजे कार सवार दो युवकों ने फायरिंग कर दी। जिसमें ओवैसी की कार के टायर में गोली लगी। जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए दोनों आरोपियों को पकड़ लिया।दोनों आरोपी को पकड़कर पुलिस थाने ले आई। पुलिस पूछताछ में उसने अपना नाम सचिन गांव दुरियाईपुर थाना बादलपुर नॉएडा बताया। जबकि अपने साथी का नाम शुभम निवासी गाँव सांपला बेगमपुर थाना नकुड़ जिला सहारनपुर बताया। पुलिस पूछताछ में सचिन ने बताया कि वह ओवैसी की बयानबाजी से क्षुब्ध था।जिसके चलते वर्ष 2017 में उसने हमले की योजना बनाई। हमला करने के लिये उसने पिस्टल भी 2018 में खरीद ली। ओवैसी पर हमले के लिये गुरुवार को उसने अपने दोस्त के साथ किठौर क्षेत्र से पीछा किया। और टोल टैक्स पर आकर फायरिंग कर दी। हालांकि ओवैसी बच गए। आरोपी मजदूरों की ठेकेदारी का कार्य करता है।जबकि उसका दोस्त शुभम काम के लिये उसके पास आया था।उसके पास से मिली पिस्टल भी अवैध है।जिन्हें शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया। एसपी दीपक भूकर ने बताया कि आरोपी सचिन और शुभम को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने ओवैसी की बयानबाजी से क्षुब्ध होकर हमला करने की योजना बनाई थी।

लोकसभा में बोले ओवैसी

'सुरक्षा के बीच घुटन में नहीं जीना चाहता, गोली लगती है तो कबूल है, लेकिन जेड सिक्योरिटी नहीं चाहिए

नई दिल्ली। एआईएमआईएम के अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने उत्तर प्रदेश के हापुड़ में अपने ऊपर हुए हमले को लेकर लोकसभा में बयान दिया। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि देश का एक वर्ग रैडिकलाइजेशन (चरमपंथ) की तरफ बढ़ रहा है। इतना ही नहीं उन्होंने केंद्र की तरफ से प्रस्तावित की गई जेड सिक्योरिटी लेने से इनकार करते हुए कहा कि उन्हें गोली लगती है तो कबूल होगा, लेकिन सुरक्षा के बीच घुटन में जीना नहीं। ओवैसी ने लोकसभा में कहा, ₹मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि इस तरह की घटना से आपको नुकसान होगा। मैं लोकसभा अध्यक्ष के जरिए सरकार को बताना चाहूंगा कि जिन लोगों ने ये रैडिकलाइजेशन किया है। उन पर आतंक-रोधी यूएपीए (वअढअ) क्यों नहीं लगाते हैं। अगर किसी क्रिकेट मैच पर कोई पाकिस्तान की तारीफ करता है तो उस पर यूएपीए लगता है। लेकिन सांसद पर गोली चलाने वाले पर यूएपीए नहीं लगता। एआईएमआईएम अध्यक्ष ने आगे कहा, ₹भारत की दौलत मोहब्बत है। हम वो भारत हैं जो मोहब्बत पर आबाद है। क्या आप दौलत के भारत की मिसाल देंगे या मोहब्बत के भारत की मिसाल देंगे। अगर मोहब्बत के भारत की मिसाल देंगे तो जुबान देता हूं कि मैं आपके साथ हूं। ओवैसी ने कहा, ₹हरिद्वार में रायपुर में मेरे बारे में क्या कहा गया है, उस पर आईबी कि रिपोर्ट है, उसे क्यों छिपा रहे हैं। एक दिन मुझे मरना भी है।

मैं कहना चाहूंगा कि जिस दिन मेरी मौत होगी उस दिन मुझे भारत की धरती में दफनाया जाए। मुझे गोली लगती है तो कबूल है। लेकिन मुझे सुरक्षा के बीच घुटन की जिंदगी नहीं जीनी है। मुझे लगता है कि अगर भारत के गरीबों को सुरक्षा मिलेगी, तो यह मेरी भी सुरक्षा है। इस नफरत को खत्म करिए। मैं जेड कैटेगरी की सुरक्षा नहीं चाहता, मुझे ए कैटेगरी का शहरी बनाएं, ताकि हमारी जिंदगी बेहतर है। जब देश के प्रधानमंत्री की सिक्योरिटी में दिक्कत हुई तो मैंने

आवाज उठाई, सेक्युलर पार्टी के नेताओं ने कहा कि तुमने आवाज क्यों उठाई। मैंने कहा ये देश के प्रधानमंत्री की जान का मसला है। लेकिन आज सांसद पर गोली चलती है। मैं सरकार से अपील करता हूं कि वह नफरत को रोके।

सीएम चन्नी को झटका

मनी लॉन्ड्रिंग केस में कोर्ट ने के भतीजे को 8 फरवरी तक ईडी की हिरासत में भेजा

चण्डीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव के बीच सीएम चरणजीत सिंह चन्नी के लिए बुरी खबर है। उनके भतीजे भूपिंदर सिंह उर्फ हनी 8 फरवरी तक प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) की हिरासत में रहेंगे। शुक्रवार को जालंधर की एक अदालत ने ये फैसला सुनाया। उन पर पंजाब में कथित रूप से अवैध रेत खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। इससे पहले भूपिंदर सिंह को गुरुवार देर रात ईडी के अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था।

ईडी सूत्रों ने बताया कि पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी के भतीजे हनी को जालंधर में एजेंसी के कार्यालय में कई घंटों की पूछताछ के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल वे 8 फरवरी तक वे ईडी की हिरासत में रहेंगे। गौरतलब है कि पंजाब विधानसभा

चुनाव में आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल कई मौकों पर सीएम चरणजीत सिंह चन्नी पर निशाना साध चुके हैं।

केजरीवाल ने आरोप लगाया था कि चन्नी की मिलीभगत से ही उनके भतीजे ने मनी लॉन्ड्रिंग किया। केजरीवाल चन्नी पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगा चुके हैं।

तीन मंत्रों का कवच पहनकर चुनाव में उतरे सीएम योगी

सीएम योगी ने गोरखपुर शहर विधानसभा सीट से किया नामांकन

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर शहर विधानसभा सीट के लिए दो सेट में नामांकन किया। सीएम योगी के साथ गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। वहीं केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह भी इस दौरान मौजूद रहें। यह पहला मौका है कि तीनों बड़े नेता एक साथ किसी के नामांकन में शामिल होने के लिए गोरखपुर पधारे हैं। सीएम योगी गोरखपुर शहर विधानसभा से भाजपा उम्मीदवार बनाए गए हैं। कलेक्ट्रेट परिसर एवं उसके आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। बड़ी संख्या में फोर्स तैनात की गई है। कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट से लेकर नामांकन कक्ष के बाहर व भीतर जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। नामांकन प्रक्रिया की वीडियो

रिकार्डिंग भी कराई गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी विजय किरन आनंद ने बताया कि राष्ट्रीय एवं राज्य के मान्यता प्राप्त दलों के प्रत्याशियों को एक प्रस्तावक के साथ कलेक्ट्रेट में प्रवेश मिलेगा, जबकि अन्य (निर्दल) प्रत्याशी, नामांकन दाखिल करने के लिए 10 प्रस्तावक साथ ले जा सकेंगे। योगी आदित्यनाथ ने कलेक्ट्रेट में नामांकन के दौरान ग्रह नक्षत्रों का पूरा ध्यान रखा। उन्होंने धुंध होने के बाद भी आसमान की तरफ देख करके सूर्य दर्शन की कोशिश की। 12.40 मिनट पर उन्होंने दायां पैर रखकर कलेक्ट्रेट कमरे में प्रवेश किया। यहां पर 15 मिनट के दौरान नामांकन प्रक्रिया पूरी करके वापस चले गए। ज्योतिषाचार्य राजेंद्र बहादुर श्रीवास्तव के मुताबिक 12.40 बजे से 3.58 बजे तक शुभ समय है। इससे पहले 11.13 से 12.35 बजे तक राहुकाल था, जिसमें शुभ कार्य करने में असफलता मिलती।

केजरीवाल का पलटवार: उनके सपने में भी मैं भूत बनकर घूमता रहता हूं

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता रणदीप सुरजेवाला पर निशाना साधा। सुरजेवाला के 'छोटा मोदी' वाले बयान पर केजरीवाल ने कहा कि मुझे तो वो(रणदीप सुरजेवाला) अपने सपने में भूत की तरह ढूंढ़ते रहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने लोगों के लिए काम किया होता तो उनके जैसे व्यक्ति के राजनीति में आने की कोई जरूरत नहीं थी। अरविंद केजरीवाल का ये बयान कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला द्वारा केजरीवाल को ₹छोटा मोदी₹ की संज्ञा देने के एक दिन बाद आया है। सुरजेवाला ने कहा था कि वह गोवा में सत्तारूढ़ भाजपा को ₹कवर फायर₹ देने आए हैं, जो कि राज्य में सत्ता खोने जा रही है। गोवा में आगामी 14 फरवरी को मतदान होना है। सुरजेवाला के बयान का

जिक्र करते हुए केजरीवाल ने संवाददाताओं से कहा, "उन्हें जो चाहिए वह कहने दें। इससे क्या फर्क पड़ता है?" उन्होंने कहा, ₹दरअसल, वो (सुरजेवाला के) अपने सपने में भी मुझे भूत की तरह पाते हैं। हर समय 24 घंटे मैं उनके दिमाग में रहता हूं। वे (कांग्रेस नेता) मुझे बदनाम करते रहते हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को उनके बारे में बुरा बोलने के बजाय लोगों के लिए काम करना चाहिए था। अगर उन्होंने लोगों के लिए काम किया होता तो राजनीति में केजरीवाल की कोई जरूरत नहीं होती। आप नेता ने कहा कि लोग उनकी पार्टी को उनके अच्छे काम के कारण वोट देते हैं।

हिस्ट्रीशीटर्स को बाहर रखकर

नई हिस्ट्री बनाने के लिए है यह चुनाव: पीएम मोदी

नई दिल्ली। यूपी विधानसभा के पहले चरण के लिए 10 फरवरी को मतदान होने वाला है। जाहिर है हर राजनीतिक दल ने यूपी के चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। आज पीएम नरेन्द्र मोदी और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मेरठ, गाजियाबाद, अलीगढ़, हापुड़ और नोएडा के मतदाताओं को सम्बोधित किया। इस कार्यक्रम को जन चौपाल उत्तर प्रदेश का नाम दिया गया है। जनचौपाल को सम्बोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि उत्तर प्रदेश के लोगों ने ये मन बना लिया है कि दंगाइयों, माफियाओं को पर्दे के पीछे रहकर के प्रदेश की सत्ता हथियाने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद यूपी ने अनेक चुनाव देखे हैं, अनेक सरकारें बनती-बिगड़ती देखी हैं। लेकिन ये चुनाव सबसे अलग है। ये चुनाव सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि की पहचान को बनाए रखने के लिए है। ये चुनाव हिस्ट्रीशीटर्स को बाहर रखने और नई हिस्ट्री बनाने के लिए है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले जो सरकार थी, उसने एक्सप्रेसवे के नाम पर कैसी लूट मचाई, ये आप मुझसे ज्यादा जानते हैं। योगी जी की सरकार में पूर्वांचल

और दिल्ली-मेरठ एक्स्प्रेसवे पूरे हो चुके हैं। इनका विकास कागजी था, ये सिद्ध हो चुका है कि ये समाजवादी भी सिर्फ और सिर्फ परिवारवादी हैं। 5 साल पहले तक ये माफियावादी केंद्र की योजनाओं का लाभ यूपी के गरीब, दलित, पिछड़े तक नहीं पहुंचने देते थे। केंद्र की योजनाओं में उनकी मनमानी नहीं चलती थी, भ्रष्टाचार नहीं चलता था इसलिए ये उन योजनाओं में ब्रेक लगाकर रखते थे। पीएम ने कहा कि अगर इन्हें मौका मिल गया तो किसानों को मिल रही हजारों करोड़ की मदद ये परिवारवादी नकली समाजवादी बंद करा देंगे। किसानों के बैंक अकाउंट में जो एमएसपी का पैसा जा रहा है, ये नकली समाजवादी उसे रोक देंगे। कोरोना काल में जो मुफ्त राशन मिल रहा है, ये नकली समाजवादी आपको भूखा छोड़ेंगे। ये मध्यम वर्ग की जेब पर डाका डालकर रियल एस्टेट माफिया को दे देंगे। नोएडा-गाजियाबाद के लोगों से बेहतर इन्हें कौन जानता है?राशन माफिया से लेकर कमीशन माफिया तक, ठेका माफिया से लेकर खनन माफिया तक, नकली समाजवादी, फिर पुराने अवतार में आने के लिए तैयार बैठे हैं। जनचौपाल में सीएम योगी गोरखपुर से जुड़े। इस कार्यक्रम के थोड़ी ही देर पहले उन्होंने गोरखपुर सीट से अपना नामांकन किया। नामांकन के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी सीएम योगी के साथ मौजूद थे। जनचौपाल में सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने 21 चीनी मिले बेची थीं लेकिन पिछले 5 वर्ष में उत्तर प्रदेश में कोई चीनी मिल नहीं बिकी। इन 5 वर्षों में कोरोना कालखंड के दौरान भी सभी 119 चीनी मिलों का संचालन हुआ।

अखिलेश, जयंत समेत 300-400 लोगों के खिलाफ केस दर्ज, आचार संहिता और कोविड गाइडलाइन के उल्लंघन का आरोप

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव के तहत दादरी विधानसभा क्षेत्र में अपने प्रत्याशी के लिए प्रचार कर रहे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी के खिलाफ आदर्श आचार संहिता और कोविड गाइडलाइन के उल्लंघन के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने बताया कि इनके अलावा दादरी से सपा के उम्मीदवार राजकुमार भाटी, सपा के जिलाअध्यक्ष इंद्र प्रधान समेत 300-400 अन्य को भी मामले में आरोपी बनाया गया है। इससे पहले बागपत जिले में अखिलेश यादव

और चौधरी जयंत सिंह द्वारा किए गए जनसंपर्क कार्यक्रम में भारी भीड़ जुटने पर सपा-रालोद गठबंधन के तीन प्रत्याशियों सहित 3,200 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया था।

सुप्रिया सुले और पंकजा मुंडे शराब पीती हैं, टिप्पणी के बाद बंडा तात्या कराडकर पर केस दर्ज

मुम्बई। 'सुप्रिया सुले और पंकजा मुंडे शराब पीती हैं'...यह टिप्पणी कर धार्मिक गुरु बंडा तात्या कराडकर घिर गये हैं। इस मामले में अब धार्मिक गुरु पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि धार्मिक गुरु पर एनसीपी नेता सुप्रिया सुले और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)नेता पंकजा मुंडे पर टिप्पणी करने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि दोनों ही महिला राजनीतिज्ञों पर यह टिप्पणी महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक प्रदर्शन के दौरान उन्होंने किया है। दरअसल हाल ही में राज्य सरकार ने सुपरमार्केट और ग्रॉसरी

की दुकानों पर शराब की बिक्री की इजाजत दी थी। उद्धव सरकार के इसी फैसले के खिलाफ बंडा तात्या कराडकर गुरुवार को विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। सतारा पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस प्रदर्शन के दौरान धार्मिक गुरु ने सुले और मुंडे के खिलाफ कमेंट किया। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बंडातात्या ने पत्रकारों से कहा कि आप लोगों को नहीं पता है क्या सुप्रिया शराब पीती हैं? हमारे सामने आप लोग क्या नाटक कर रहे हैं? बंडा तात्या ने पंकजा मुंडे के लिए भी यही बात कही। इसके बाद उन्होंने कहा, 'मैं अपने दावे पर कायम हूं। मैं अपने दावे को सिद्ध कर सकता हूं। बंडातात्या ने कहा कि सुप्रिया को मेरी चुनौती है। वह मुझे गलत साबित करके दिखाएं। सुप्रिया सीधे कहें कि बंडातात्या झूठ बोल रहे हैं फिर मामला ही खत्म हो जाएगा।' इस मामले में पुलिस ने शुरू में कराडकर और अन्य लोगों के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान कोविड-19 से जुड़े प्रोटोकॉल के उल्लंघन का केस दर्ज किया।

बिल फाड़ने का जिक्र और दलितों की फिक्र... कैसे मायावती कमजोर कर रहीं अखिलेश की रणनीति

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती देर से ही सही, लेकिन प्रचार के लिए निकल पड़ी हैं। आगरा में 2 फरवरी को पहली रैली के बाद से अब वह लगातार मिशन पर हैं। 3 फरवरी को मायावती गाजियाबाद में थीं तो शुक्रवार को अमरोहा में रैली को संबोधित किया। इस दौरान मायावती ने यूं तो सभी दलों पर हमला बोला, लेकिन जिस मुखरता से वह सपा पर अटैक करती दिखी हैं, उससे संदेश साफ है कि वह दलितों और अति-पिछड़ों को उसके पाले में नहीं जाने देना चाहतीं। खासतौर पर अति पिछड़े वर्ग के मतदाताओं को लेकर यह संभावना जताई जा रही थी कि यह सपा के पाले में जा सकता है। लेकिन मायावती के रवैये ने अखिलेश यादव की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। 1989 के दंगों का जिक्र हो या फिर 2012 में अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के आरक्षण के बिल को फाड़ने की बात हो। मायावती इन घटनाओं का जिक्र कर सीधे तौर पर सपा पर हमला बोल रही हैं। वह जोर देकर कह रही हैं कि सपा के कार्यकाल में दलितों और अति-पिछड़ों के साथ सौतेला व्यहार किया गया था। यही नहीं बिजनौर से अपने सांसद रहने के दौरान का जिक्र करते हुए मायावती ने कहा कि उस दौरान दंगे हुए थे और वह बिजनौर नहीं जा सकी थीं। तब कलेक्टर यादव समाज का था और उसने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया था। कलेक्टर की जाति का जिक्र, बिल को फाड़ने का लगातार प्रचार करके मायावती ने साफ किया है कि

वह अपने मतदाताओं को किस तरह बांधने की कोशिश में जुटी हैं। मायावती यूं तो भाजपा पर भी हमला बोल रही हैं, लेकिन जिस प्रकार सपा पर समुदाय विशेष के लिए काम करने का आरोप लगा रही हैं, उससे साफ है कि वे सपा के सामाजिक समीकरण साधने की कोशिश को कमजोर कर रही हैं। दरअसल इस चुनाव में अखिलेश यादव कई बार लोहियावादी और अंबेडकरवादियों के साथ आने की बात करते रहे हैं। उनकी रणनीति इसके पीछे यह रही है कि जिन दलित वर्ग के लोगों को लग रहा हो कि मायावती और बीएसपी कमजोर हैं तो वे सपा को वोट दें। लेकिन मायावती ने देर से ही सही, जिस तरह से कैंपेन शुरू किया है, उसने अखिलेश की रणनीति को कमजोर करने का काम किया है। खासतौर पर मायावती उन इलाकों में अब तक प्रचार करने पहुंची हैं, जहां मुस्लिम और दलित की अच्छी खासी आबादी है। एक तरफ उन्होंने बड़ी संख्या में मुस्लिमों को टिकट दिए हैं और दूसरी तरफ दलितों के सपा राज में उत्पीड़न का जिक्र कर रही हैं।

सुविचार

शुरुआत करने का तरीका है, कि बातें बंद करें और काम शुरू करें - वाल्ट डिज्नी

संपादकीय

समय पर परीक्षा

दो दिन बाद इम्तिहान हैं और अचानक ही अदालत उस पर रोक लगा दे, तो यह शायद उन बहुत से अभ्यर्थियों के लिए अच्छा नहीं होता, जो न जाने कब से इसकी तैयारियां कर रहे थे। आईआईटी जैसे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में मास्टर डिग्री के लिए प्रवेश और बहुत सी नौकरियों की पात्रता देने वाली 'ग्रेजुएट एप्टीट्यूट टेस्ट इन इंजीनियरिंग' यानी 'गेट' एक ऐसी परीक्षा होती है, जिसकी तैयारी कई छात्र लंबे समय तक करते हैं। फिर यह परीक्षा देने के लिए काफी छात्रों को सैकड़ों मील की दूरी तय करनी पड़ती है। इस बार गेट की परीक्षा आगामी शनिवार और रविवार को होनी है, ऐसे में मुमकिन है कि इस परीक्षा के लिए बहुत सारे परीक्षार्थी अपने-अपने घर से चल पड़े हों। बृहस्पतिवार को जब सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ में परीक्षा स्थगित करने की अपील आई, तब अदालत को ऐन वक्त पर परीक्षा स्थगित करने में कोई समझदारी नहीं दिखाई दी और उन लोगों को निराशा हाथ लगी, जो यह चाहते थे कि फिलहाल परीक्षा कुछ समय के लिए टाल दी जाए। परीक्षा टालने को लेकर मुख्य तर्क यह था कि इस समय, जब देश कोविड की तीसरी लहर से गुजर रहा है, इस परीक्षा के आयोजन में कई तरह के जोखिम हैं। तर्क यह भी था कि कुछ परीक्षार्थी हाल-फिलहाल ही ओमीक्रोन से संक्रमित हुए हैं और यह हो सकता है कि कुछ परीक्षा देने के वक्त भी संक्रमित हों। कई इलाकों में लॉकडाउन लगे होने की बात भी कही जा रही थी। हालांकि, परीक्षार्थियों को कोई दिक्कत न आए, इसके लिए यात्रा पास जारी कर दिए गए थे, जिसे वे आसानी से डाउनलोड कर सकते थे। कुछ परीक्षार्थियों ने तो परीक्षा स्थगित करने के लिए एक हस्ताक्षर अभियान चलाया था। तकरीबन 20 हजार परीक्षार्थियों ने स्थगन के लिए एक ऑनलाइन याचिका भी दी थी। लेकिन अदालत को लगा कि यह नौ लाख से अधिक छात्रों के भविष्य का सवाल है। उसने अपने फैसले में कहा कि 48 घंटे पहले परीक्षा स्थगित करने से अव्यवस्था फैल जाएगी। खंडपीठ ने यह भी कहा कि अब जब हर चीज खुल रही है, तब हम परीक्षा स्थगित नहीं कर सकते। यह ऐसा मामला है, जिस पर शैक्षणिक संस्थाओं को ही फैसला करना चाहिए। इस समय कोविड को लेकर जो हालात हैं, उनके बारे में यह भविष्यवाणी कैसे की जा सकती है कि एक महीने बाद ये हालात सुधर जाएंगे? कोविड महामारी के कारण जो स्थितियां पैदा हुई हैं, उनके साथ अब पूरा देश सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर रहा है। महामारी की पहली लहर के दौरान पूरे देश में जिस तरह से संपूर्ण लॉकडाउन लगा दिया गया था, उसका नुकसान अब सबकी समझ में आ चुका है। साथ ही यह भी समझ आ चुका है कि इससे महामारी का प्रसार एक हद से ज्यादा नहीं रुकता। नई सोच यह है कि महामारी के सच को स्वीकार करते हुए हर तरह की सावधानी बरती जाए, लेकिन किसी काम को रोका नहीं जाए। यही वजह है कि तीसरी लहर के दौरान लॉकडाउन और बाजार बंदी वगैरह को बहुत सीमित स्तर पर लागू किया गया। ऐसे में, परीक्षा को स्थगित कर देना इस सोच के विपरीत जाना ही होता। इसकी अधिसूचना पिछले साल अगस्त में जारी की गई थी, यानी जब तक नतीजे आएंगे, अगली परीक्षा की तैयारी का वक्त आ चुका होगा। इसलिए यह स्थगन बहुत सारी समस्याएं ही बढ़ाता।

सरस्वती माँ विवेक की देवी हैं

(लेखक- प्रो(डॉ)शरद नारायण खरे)

'अक्षर का तूने सार दिया,मातु शारदे।
सच्चाई का संसार दिया,मातु शारदे।
मैं खोया था अविवेक के अँधियार में मगर,
उजियार का उपहार दिया मातु शारदे।।'

सरस्वती को वागीश्वरी, भगवती, शारदा और वीणावादिनी सहित अनेक नामों से संबोधित जाता है। ये सभी प्रकार के ब्रह्म विद्या-बुद्धि एवं वाक् प्रदाता हैं। संगीत की उत्पत्ति करने के कारण ये संगीत की अधिष्ठात्री देवी भी हैं। ऋग्वेद में भगवती सरस्वती का वर्णन करते हुए कहा गया है कि, प्रणो देवी सरस्वती परम चेतना हैं। सरस्वती के रूप में वे हमारी बुद्धि, प्रज्ञा तथा मनोवृत्तियों की संरक्षिका हैं। हम में जो आचार और मेधा है उसका आधार भगवती सरस्वती ही हैं। इनकी समृद्धि और स्वरूप का वैभव अद्भुत है। कई पुराणों के अनुसार नित्यगोलोक निवासी श्रीकृष्ण भगवान ने सरस्वती से प्रसन्न होकर कहा कि उनकी बसंत पंचमी के दिन विशेष आराधना करने वालों को ज्ञान विद्या कला मे चरम उत्कर्ष प्राप्त होगा । इस सत्य के फलस्वरूप भारत में वसंत पंचमी के दिन ब्रह्मविद्या की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती की पूजा होने कि परंपरा आज तक जारी है।

सरस्वती को साहित्य, संगीत, कला की देवी माना जाता है। उसमें विचारणा, भावना एवं संवेदना का त्रिविध समन्वय है। वीणा संगीत की, पुस्तक विचारणा की,वे हंस-वाहन कला की अभिव्यक्ति हैं। लोक चर्चा में सरस्वती को शिक्षा की देवी माना गया है। शिक्षा संस्थाओं में वसंत पंचमी को सरस्वती का जन्म दिन समारोह पूर्वक मनाया जाता है। पशु को मनुष्य बनाने का ,अंधे को नेत्र मिल जाने का श्रेय शिक्षा को दिया जाता है। मनन से मनुष्य बनता है। मनन बुद्धि का विषय है। भौतिक प्रगति का श्रेय बुद्धि-वर्चस् को दिया जाना और उसे सरस्वती का अनुग्रह माना जाना उचित भी है। इस उपलब्धि के बिना मनुष्य को नर-वानरों की तरह वनमानुष जैसा जीवन बिताना पड़ता है। शिक्षा की गरिमा-बौद्धिक विकास की आवश्यकता जन-जन को समझाने के लिए सरस्वती अर्चना की परम्परा है। इसे प्रकारान्तर से गायत्री महाशक्ति के अंतगर्त बुद्धि पक्ष की आराधना कहना चाहिए।

सरस्वती के एक मुख, चार हाथ हैं। मुस्कान से उल्लास, दो हाथों में वीणा-भाव संचार एवं कलात्मकता की प्रतीक है। पुस्तक से ज्ञान और माला से ईशनिष्ठा-सात्विकता का बोध होता है। वाहन राजहंस -सौन्दर्य एवं मधुर स्वर का प्रतीक है। इनका वाहन राजहंस माना जाता है और इनके हाथों में वीणा, वेदग्रंथ और स्फटिक माला होती है। भारत में कोई भी शैक्षणिक कार्य के पहले इनकी पूजा की जाती है।

कहते हैं कि महाकवि कालिदास, वरदराजाचार्य, वोपदेव आदि मंद बुद्धि के लोग सरस्वती उपासना के सहारे उच्च कोटि के विद्वान् बने थे। इसका सामान्य तात्पर्य तो इतना ही है कि ये लोग अधिक मनोयोग एवं उत्साह के साथ अध्ययन में रुचिपूर्वक संलग्न हो गए और अनुत्साह की मनःस्थिति में प्रसुप्त पड़े रहने वाली मस्तिष्कीय क्षमता को सुविकसित कर सकने में सफल हुए होंगे। इसका एक रहस्य यह भी हो सकता है कि कारणवश दुर्बलता की स्थिति में रह रहे बुद्धि-संस्थान को सजग-सक्षम बनाने के लिए वे उपाय-उपचार किए गए जिन्हें 'सरस्वती आराधना' कहा जाता है। उपासना की प्रक्रिया भाव-विज्ञान का महत्वपूर्ण अंग है। श्रद्धा और तन्मयता के समन्वय से की जाने वाली साधना-प्रक्रिया एक विशिष्ट शक्ति है। मनःशास्त्र के रहस्यों को जानने वाले स्वीकार करते हैं कि व्यायाम, अध्ययन, कला, अभ्यास की तरह साधना भी एक समर्थ प्रक्रिया है, जो चेतना क्षेत्र की अनेकानेक रहस्यमयी क्षमताओं को उभारने तथा बढ़ाने में पूर्णतया समर्थ है। सरस्वती उपासना के संबंध में भी यही बात है। उसे शास्त्रीय विधि से किया जाय तो वह अन्य मानसिक उपचारों की तुलना में बौद्धिक क्षमता विकसित करने में कम नहीं, अधिक ही सफल होती है।

मन्दबुद्धि लोगों के लिए गायत्री महाशक्ति का सरस्वती तत्त्व अधिक हितकर सिद्ध होता है। बौद्धिक क्षमता विकसित करने, चित्त की चंचलता एवं अस्वस्थता दूर करने के लिए सरस्वती साधना की विशेष उपयोगिता है। मस्तिष्क-तंत्र से संबंधित अनिद्रा, सिर दर्द, तनाव, जुकाम जैसे रोगों में गायत्री के इस अंश-सरस्वती साधना का लाभ मिलता है। कल्पना शक्ति की कमी, समय पर उचित निर्णय न कर सकना, विस्मृति, प्रमाद, दीर्घसूत्रता, अरुचि जैसे कारणों से भी मनुष्य मानसिक दृष्टि से अपंग, असमर्थ जैसा बना रहता है और मूर्ख कहलाता है। उस अभाव को दूर करने के लिए सरस्वती साधना एक उपयोगी आध्यात्मिक उपचार है।

शिक्षा के प्रति जन-जन के मन-मन में अधिक उत्साह भरने-लौकिक अध्ययन और आत्मिक स्वाध्याय की उपयोगिता अधिक गम्भीरता पूवर्क समझने के लिए भी सरस्वती पूजन की परम्परा है। बुद्धिमत्ता को बहुमूल्य सम्पदा समझा जाय और उसके लिए धन कमाने, बल बढ़ाने, साधन जुटाने, मोद मनाने से भी अधिक ध्यान दिया जाता है। महाशक्ति गायत्री मंत्र उपासना के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण धारा सरस्वती की मानी गयी है संध्यावंदन मे प्रातः सावित्री, मध्यान्ह गायत्री एवं सायं सरस्वती ध्यान से युक्त त्रिकाल संध्यावंदन करने की विधा है। सरस्वती के स्वरूप एवं आसन आदि का संक्षिप्त तात्विक विवेचन इस तरह है-

'या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा ॥
शुक्लां ब्रह्मविचार सार परमामाद्यां जगद्व्यापिनीं
वीणा-पुस्तक-धारिणीमभयदां जाड्यान्धकारापहाम् ।
हस्ते स्फटिकमालिकां विदधतीं पद्मासने संस्थिताम्
वन्दे तां परमेश्वरीं भगवतीं बुद्धिप्रदां शारदाम्॥'

जो विद्या की देवी भगवती सरस्वती कुन्द के फूल, चंद्रमा, हिमराशि और मोती के हार की तरह धवल वर्ण की हैं और जो श्वेत वस्त्र धारण करती हैं, जिनके हाथ में वीणा-दण्ड शोभायमान है, जिन्होंने श्वेत कमलों पर आसन ग्रहण किया है तथा ब्रह्मा, विष्णु एवं शंकर आदि देवताओं द्वारा जो सदा पूजित हैं, वही संपूर्ण जड़ता और अज्ञान को दूर कर देने वाली माँ सरस्वती हमारी रक्षा करें।

शुक्लवर्ण वाली, संपूर्ण चराचर जगत में व्याप्त, आदिशक्ति, परब्रह्म के विषय में किए गए विचार एवं चिंतन के सार रूप परम उत्कर्ष को धारण करने वाली, सभी भयों से भयदान देने वाली, अज्ञान के अँधेरे को मिटाने वाली, हाथों में वीणा, पुस्तक और स्फटिक की माला धारण करने वाली और पद्मासन पर विराजमान बुद्धि प्रदान करने वाली, सर्वोच्च ऐश्वर्य से अलंकृत, भगवती शारदा (सरस्वती देवी) की मैं वंदना करता हूँ।

तो,हम सब यही कामना करते हैं कि हे ज्ञान की देवी,विद्या-बुद्धि व विवेक की अधिष्ठात्री मां सरस्वती आप हमारे चेतना को सद्गुणों से परिपूर्ण कर हमारा जीवन सफल बनाएं।

सरस्वती पूजा का पर्व है बसन्त पंचमी

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

बसन्त उत्तर भारत तथा समीपवर्ती देशों की छह ऋतुओं में से एक ऋतु है। जो फरवरी मार्च और अप्रैल के मध्य इस क्षेत्र में अपना सौंदर्य बिखेरती है। माना गया है कि माघ महीने की शुक्ल पंचमी से बसन्त ऋतु का आरंभ होता है। फाल्गुन और चैत्र मास बसन्त ऋतु के माने गए हैं। फाल्गुन वर्ष का अंतिम मास है और चैत्र पहला। इस प्रकार हिंदू पंचांग के वर्ष का अंत और प्रारंभ बसन्त में ही होता है। इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है। मौसम सुहावना हो जाता है। पेड़ों में नए पत्ते आने लगते हैं। खेत सरसों के फूलों से भरे पीले दिखाई देते हैं। अतः राग रंग और उत्सव मनाने के लिए यह ऋतु सर्वश्रेष्ठ मानी गई है। बसन्त पंचमी का दिन सरस्वती जी की साधना को अर्पित ज्ञान का त्योहार है। इस दिन पूरे देश में विद्या की देवी माँ सरस्वती की बड़े उल्लास के साथ पूजा की जाती है। इस दिन स्त्रियां पीले वस्त्र धारण करती हैं। शास्त्रों में भगवती सरस्वती की आराधना व्यक्तिगत रूप में करने का विधान है। किंतु आजकल सार्वजनिक पूजा-पाण्डालों में देवी सरस्वती की मूर्ति स्थापित कर पूजा करने का रिवाज चल पड़ा है। बसन्त पंचमी के पर्व से ही बसंत ऋतु का आगमन होता है। शांत, ठंडी, मंद वायु, कटु शीत का स्थान ले लेती है तथा सब को नवप्राण व उत्साह से स्पर्श करती है। बसन्त ऋतु तथा पंचमी का अर्थ है शुक्ल पक्ष का पांचवां दिन। अंग्रेजी कलेंडर के अनुसार यह पर्व जनवरी-फरवरी तथा हिन्दू तिथि के अनुसार माघ के महीने में मनाया जाता है। भारत में पतझड़ ऋतु के बाद बसन्त ऋतु का आगमन होता है। हर तरफ रंग-बिरंगें फूल खिले दिखाई देते हैं। इस समय गेहूं की बालियां भी पक कर लहराने लगती हैं। जिन्हें देखकर किसान हर्षित होते हैं। चारों ओर सुहाना मौसम मन को प्रसन्नता से भर देता है। इसीलिये वसन्त ऋतु को सभी ऋतुओं का राजा अर्थात ऋतुराज कहा गया है। इस दिन भगवान विष्णु, कामदेव तथा रति की पूजा की जाती है। इस दिन ब्रह्माण्ड के रचयिता ब्रह्मा जी ने सरस्वती जी की रचना की थी। इसलिए इस दिन देवी सरस्वती की पूजा भी की जाती है। बसन्त पंचमी का दिन भारतीय मौसम विज्ञान के अनुसार समशीतोष्ण वातावरण के प्रारंभ होने का संकेत है। मकर सक्रांति पर सूर्य के उत्तरायण प्रस्थान के बाद शरद ऋतु की समाप्ति होती है। हालांकि विश्व में बदलते मौसम ने मौसम चक्र को बिगाड़ दिया है। पर सूर्य के अनुसार होने वाले परिवर्तनों का उस पर कोई प्रभाव नहीं है। हमारी संस्कृति के अनुसार पर्वों का विभाजन मौसम के अनुसार ही होता है। इन पर्वो पर मन में उत्पन्न होने वाला उत्साह स्वप्रेरित होता है। सर्दी के बाद गर्मी और उसके बाद बरसात फिर सर्दी का बदलता क्रम देह में बदलाव के साथ ही प्रसन्नता प्रदान करता है। ग्रंथों के अनुसार देवी सरस्वती विद्या, बुद्धि और ज्ञान की देवी हैं। अमित तेजस्विनी व अनंत गुणशालिनी देवी सरस्वती की पूजा-आराधना के लिए माघमास की पंचमी तिथि निर्धारित की गयी है। बसन्त पंचमी को इनका आविर्भाव दिवस माना जाता है। ऋग्वेद में सरस्वती देवी के असीम प्रभाव व महिमा का वर्णन है। मां सरस्वती विद्या व ज्ञान की अधिष्ठात्री हैं। कहते हैं जिनकी जिव्हा पर सरस्वती देवी का वास होता है। वे अत्यंत ही विद्वान व कुशाग्र बुद्धि होते हैं। सभी शुभ कार्यों के लिए बसन्त पंचमी के दिन अत्यंत शुभ मुहूर्त माना गया है। बसन्त पंचमी को अत्यंत शुभ मुहूर्त मानने के पीछे अनेक कारण हैं। यह पर्व अधिकतर माघ मास में ही पड़ता है। माघ मास का भी धार्मिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। इस माह में पवित्र तीर्थों में स्नान करने का विशेष महत्व बताया गया है। दूसरे इस समय सूर्यदेव भी उत्तरायण होते हैं। इसलिए प्राचीन काल से बसन्त पंचमी के दिन देवी सरस्वती की पूजा की जाती है अथवा कह सकते हैं कि इस दिन को सरस्वती के जन्म दिवस के रुप में मनाया जाता है। चूंकि बसन्त पंचमी का पर्व इतने शुभ समय में पड़ता है। अतः इस पर्व का स्वतः ही आध्यात्मिक, धार्मिक, वैदिक आदि सभी दृष्टियों से अति विशिष्ट महत्व परिलक्षित होता है। प्राचीन कथाओं के अनुसार ब्रह्मा जी ने विष्णु जी के कहने पर सृष्टि की रचना की थी। एक दिन वह अपनी बनाई हुई सृष्टि को देखने के लिए धरती पर भ्रमण करने के लिए आए। ब्रह्मा जी को अपनी बनाई सृष्टि में कुछ कमी का अहसास हो रहा था। लेकिन वह समझ नहीं पा रहे थे कि किस बात की कमी है। उन्हें पशु-पक्षी, मनुष्य तथा पेड़-पौधे सभी चुप दिखाई दे रहे थे। तब उन्हें आभास हुआ कि क्या कमी है। वह सोचने लगे कि एसा क्या किया जाए कि सभी बोले और खुशी में झूमे। ऐसा विचार करते हुए ब्रह्मा जी ने अपने कमण्डल से जल लेकर कमल पुष्पों तथा धरती पर छिडका। जल छिडकने के बाद श्वेत वस्त्र धारण किए हुए एक देवी प्रकट हुई। इस देवी के चार हाथ थे। एक हाथ में वीणा, दूसरे हाथ में कमल, तीसरे हाथ में माला तथा चतुर्थ हाथ में पुस्तक थी। ब्रह्मा जी ने देवी को वरदान दिया कि तुम सभी प्राणियों के कण्ठ में निवास करोगी। सभी के अंदर चेतना भरोगी, जिस भी प्राणी में तुम्हारा वास होगा वह अपनी विद्वता के बल पर समाज में पूज्यनीय होगा। ब्रह्मा जी ने कहा कि तुम्हें संसार में देवी सरस्वती के नाम से जाना जाएगा। ब्रह्मा जी ने देवी सरस्वती को वरदान देते हुए कहा कि तुम्हारे द्वारा समाज का कल्याण होगा इसलिए समाज में रहने वाले लोग तुम्हारा पूजन करेगें। कडकड़ाती ठंड के बाद बसंत ऋतु में प्रकृति की छटा देखते ही बनती है। पलाश के लाल फूल, आम के पेड़ों पर आए बौर, हरियाली और गुलाबी ठंड मौसम को सुहाना बना देती है। यह ऋतु सेहत की दृष्टि से भी बहुत अच्छी मानी जाती है। मनुष्यों के साथ पशु-पक्षियों में नई चेतना का संचार होता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान का विशेष महत्व है। देश के कई स्थानो पर पवित्र नदियों के तट और तीर्थ स्थानों पर बसंत मेला भी लगता है। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में तो बसंत पंचमी के दिन से ही लोग समूह में एकत्रित होकर रात में चंग ढफ बजाकर धमाल गाकर होली के पर्व का शुभारम्भ करते है। बसन्त पंचमी के दिन विद्यालयों में भी देवी सरस्वती की आराधना की जाती है।

आज के कार्टुन

मन को बांधना

जग्गी वासुदेव

अगर आप मन के परे चले जाएं तो आप पूरी तरह से कर्मिक बंधनों के भी परे चले जायेंगे। आप को कर्मों को सुलझाने में असल में कोई प्रयास नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि जब आप अपने कर्मों के साथ खेल रहे हैं तो आप ऐसी चीज़ के साथ खेल रहे हैं, जिसका कोई अस्तित्व नहीं है। यह मन का एक जाल है। बीते हुए समय का कोई अस्तित्व नहीं है पर आप इस अस्तित्वहीन आयाम के साथ ऐसे जुड़े रहते हैं, जैसे कि वही वास्तविकता हो। सारा भ्रम बस यही है। मन ही इसका आधार है। अगर आप मन से परे चले जाते हैं तो एक ही झटके में हर चीज़ के पार चले जाते हैं। आध्यात्मिक विज्ञान के सभी प्रयास बस इसीलिए हैं कि मन से परे कैसे जाएं? मन की सीमाओं से बाहर जा कर जीवन को कैसे देखें? बहुत से लोगों ने योग को अलग-अलग ढंग से परिभाषित किया है। लोग कहते हैं-'अगर आप ब्रह्मांड के साथ एक हो जाते हैं, तो ये योग है। खुद से परे चले जाते हैं तो योग है। भौतिकता के नियमों से प्रभावित नहीं हैं तो योग है।' ये सब बातें ठीक हैं। अदभुत परिभाषाएं हैं, इनमें कुछ भी गलत नहीं है, मगर अपने अनुभव की दृष्टि से आप इनसे संबंध नहीं बना पाते। किसी ने कहा,'अगर आप ईश्वर के साथ एक हो जाते हैं तो आप योग में हैं। आप नहीं जानते कि ईश्वर कहां हैं तो आप एक कैसे हो सकते हैं? पर पतंजलि ने ऐसा कहा-'मन के सभी बदलावों से ऊपर उठना, जब आप मन को समाप्त कर देते हैं, जब आप अपने मन का एक भाग बनना बंद कर देते हैं, तो ये योग है।' इस दुनिया के सभी प्रभाव आप में सिर्फ मन के माध्यम से ही आ रहे हैं। अगर आप, अपनी पूर्ण जागरूकता में, अपने मन के प्रभावों से ऊपर उठते हैं तो आप स्वाभाविक रूप से हर चीज़ के साथ एक हो जाते हैं। आपका और मेरा अलग-अलग होना, समय-स्थान की सारी भिन्नताएं भी, सिर्फ मन के कारण होती हैं। ये मन का बंधन है। अगर आप मन से परे हो जाते हैं तो समय-स्थान से भी परे हो जाएंगे। अगर आप मन के सभी बदलावों और अभिव्यक्तियों से ऊपर उठते हैं तो आप मन के साथ खेल सकते हैं। अपने मन का उपयोग जबरदस्त तरीके से कर सकते हैं पर अगर आप मन के अंदर हैं तो आप कभी भी मन की प्रकृति को नहीं समझ पायेंगे।

सू-दोकू नवताल -2038

3	5		6		2			4
		8	9				3	5
7		1		8		2	6	9
	2		5	3		9		
	9		4		7		1	
		4		6	9		8	
4	3			5		7		1
9	8				1	6		
6			7		3	4	2	8

सू-दोकू -2037 का हल

8	7	9	2	4	5	6	1	3
3	2	6	1	7	8	5	4	9
5	4	1	6	9	3	8	2	7
7	6	2	4	5	9	1	3	8
4	1	8	7	3	6	9	5	2
9	5	3	8	1	2	7	6	4
6	3	4	9	8	1	2	7	5
2	9	7	5	6	4	3	8	1
1	8	5	3	2	7	4	9	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2038

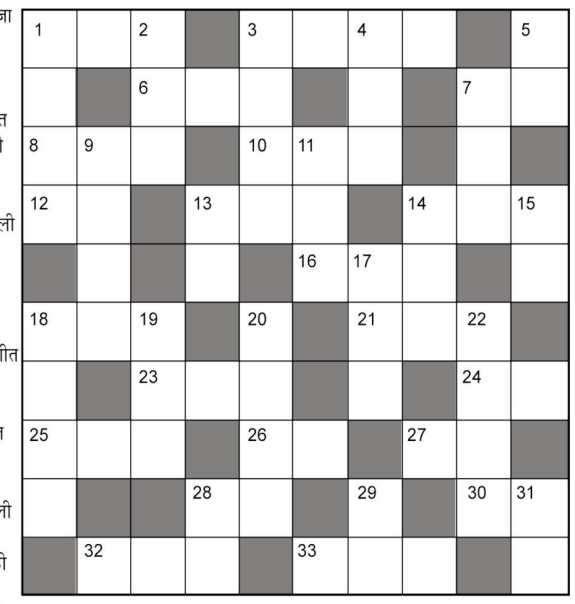

बायें से दायें:-

1. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-3
3. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-4
6. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-3
7. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-2
8. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-3
10. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-3
12. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-2
13. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-3
14. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-3
16. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-3
18. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-3
21. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-3
23. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी की फिल्म-3
24. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-2
25. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-3
26. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-2
27. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-2
28. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-2
30. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-2
32. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-3
33. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-2,2
2. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-3
3. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-4
4. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-3
5. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-2
7. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-3
9. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-4
11. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-3
13. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-2
14. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-3
15. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी ?-2
17. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-3
18. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-4
19. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-3
20. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-4
22. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-4
28. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-2
29. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-2
31. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2037

वै	रा	ग		स	ड़	क		आ	
जू		ज	छा	द		स	सु	रा	ल
बा	द	ल		मा	लि	क		ध	
व			बा		बा		बे	ना	म
रा	जा	बा	बू		स	रि	ता		हा
	ल	व		बे			ब	से	रा
इ		ची		खु	द्दा	र			जा
क	र्ज		शा	दी		ख	ली	फा	
बा		गै	र		दा	वा			द
ल	छा		दा	ग		ला	वा	रि	स

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बैंक ऑफ़ इंडिया
Bank of India

बैंक ऑफ इंडिया का शुद्ध लाभ 90 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई । बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) ने शुक्रवार को बताया कि उसके फंसे हुए कर्ज की स्थिति में सुधार के कारण दिसंबर 2021 में समाप्त हुई तीसरी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 90 प्रतिशत बढ़कर 1,027 करोड़ रुपये हो गया है। बैंक ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 540.72 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। बीओआई ने कहा कि तीसरी तिमाही में उसकी कुल आय कम होकर 11,211.14 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 12,310.92 करोड़ रुपये थी।बैंक ने कहा कि ब्याज पर शुद्ध आय (एनआईआई) भी पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की 3,739 करोड़ रुपये की तुलना में कम होकर इस वर्ष 3,408 करोड़ रुपये हो गई। बैंक के सकल फंसे कर्ज या गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) दिसंबर 2021 की समाप्ति पर घटकर 10.46 फीसदी रह गए।

आईआईटी हैदराबाद में सुजुकी इनोवेशन सेंटर खोला जाएगा

नई दिल्ली । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद ने कहा कि उसके अपने परिसर में सुजुकी इनोवेशन सेंटर (एसआईसी) शुरू करने के लिए सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के साथ करार किया है। संस्थान ने कहा कि उसने वाहन निर्माता कंपनी के साथ तीन साल के लिए करार किया है। इसका मकसद दोनों संस्थानों के बीच जानकारी का आदान-प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान करके ''भारत और जापान के लिए नवाचार पहल करना'' है। विज्ञप्ति में कहा गया कि एसआईसी को उद्योगों, शिक्षण संस्थानों तथा स्टार्ट-अप के बीच नवोन्मेषिता के लिए मंच के रूप में संचालित किया जाएगा। इसमें बताया गया कि यह केंद्र भारत और जापान के बीच कौशल विकास और मानव संसाधन के आदान-प्रदान का भी समर्थन करेगा।

निजी कंपनियां तेजी से नई विनिर्माण इकाइयां स्थापित करें

नई दिल्ली । केंद्रीय राजस्व सचिव तरुण बजाज ने कहा कि म मोदी सरकार चाहती है कि देश की घरेलू कंपनियां अपनी नई विनिर्माण इकाइयां तेजी से स्थापित करें, इसकारण 15 प्रतिशत की रियायती कर की दर को मार्च 2024 तक एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है। बजाज ने कहा कि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर संग्रह बढ़ रहा है और इसमें अच्छी तेजी है। इसका मतलब है कि कॉरपोरेट क्षेत्र का प्रदर्शन अच्छा है, और भारत का कर जीडीपी अनुपात चालू वर्ष में ''अब तक का सबसे अधिक''हो सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट में नई विनिर्माण इकाइयों के लिए रियायती कॉरपोरेट कर की दर मार्च 2024 तक एक और वर्ष के लिए जारी रखने का प्रस्ताव किया। सरकार ने सितंबर 2019 में कॉरपोरेट कर की दर घटाकर कहा था कि किसी एक अक्टूबर 2019 को या उसके बाद गठित घरेलू कंपनी के विनिर्माण क्षेत्र में कोई भी नया निवेश करने पर उसके पास 15 फीसदी की दर से आयकर चुकाने का विकल्प होगा। लेकिन इसके शर्त थी कि उत्पादन 31 मार्च, 2023 तक शुरू हो जाए। हालांकि, इन कंपनियों को किसी भी अन्य आयकर छूट या प्रोत्साहन का लाभ उठाने की अनुमति नहीं होगी।

ब्याज दरें बढ़ा सकता है आरबीआई

नई दिल्ली । सरकारी उधारी बढ़ने के कारण आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) अतिरिक्त नकदी जुटाने के लिए रिवर्स रेपो दर 0.25 फीसदी तक बढ़ा सकती है। हालांकि रेपो दर में बदलाव का अनुमान नहीं है। केंद्रीय बैंक इसी दर पर उधार देता है। ब्रिटेन की ब्रोकरेज फर्म बार्कलेज के विश्लेषकों ने अगले सप्ताह होने वाली एमपीसी की बैठक से पहले कहा` कि ओमीक्रॉन के प्रकोप व अपेक्षाकृत अनुकूल महंगाई के बीच आरबीआई के पास वृद्धि को समर्थन देने वाली मौद्रिक नीति को बनाए रखने के लिए गुंजाइश है। केंद्रीय बैंक अपने नकदी प्रबंधन उपायों के मद्देनजर रिवर्स रेपो दर में 0.20- 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी कर सकता है। इसके अलावा भी कई विश्लेषकों ने रिवर्स रेपो दर में वृद्धि का अनुमान जताया में है। उनका कहना है कि सरकारी उधारी में बढ़ोतरी के कारण केंद्रीय बैंक नीति सामान्यीकरण की ओर बढ़ सकता है। बैठक के नतीजे 9 फरवरी को आएंगे।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच ही बैंकिंग और ऊर्जा शेयरों में आई गिरावट से भी बाजार नीचे आया है। विदेशी निवेशकों के पैसा निकालने से भी बाजार पर दबाव आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सूचकांक 143.20 अंक करीब 0.24 फीसदी की गिरावट के साथ ही 58,644.82 पर बंद हुआ। वहीं इसी तरह पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 43.90 अंक तकरीबन 0.25 फीसदी टूटकर 17,516.30 पर बंद हुआ। सेंसेक्स में सबसे अधिक दो फीसदी की गिरावट एसबीआई के शेयरों में आई। इसके अलावा एमएंडएम, एनटीपीसी, कोटक बैंक, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी और पावरग्रिड के शेयरों को नुकसान हुआ है। दूसरी ओर सन फार्मा, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में बढ़त आई है। सेंसेक्स में 19 शेयर गिरकर बंद हुए, जबकि 11 में बढ़त का माहौर रहा। बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 1,597.54 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे उससे भी बाजार में बिकवाली की धारणा बनी।

सोने , चांदी में तेजी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में बढ़त आई है। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोना 34 रुपये ऊपर आकर 47,918 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 47,884 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरे ओर चांदी भी 330 रुपये की बढ़त के साथ ही 61,006 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 60,676 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव बढ़त के साथ ही 1,810 डॉलर प्रति औंस रहा, जबकि चांदी 22.55 डॉलर प्रति औंस पर बनी रही।

आईएमएफ ने बजट 2022-23 को भारत के लिए विचारपूर्ण नीति एजेंडा बताया

वाशिंगटन । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलिना जॉर्जीवा ने कहा है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट भारत के लिए बहुत विचारपूर्ण नीति एजेंडा है और यह मानवीय पूंजी निवेश तथा डिजिटलीकरण पर अनुसंधान और विकास में नवोन्मेष पर जोर देता है। वित्त मंत्री ने मंगलवार को 39.45 लाख करोड़ रुपए का बजट प्रस्तुत किया था जिसमें राजमार्गों से लेकर किफायती आवासों तक पर अत्यधिक व्यय का प्रस्ताव है और इसके पीछे महामारी से उबरती अर्थव्यवस्था के प्रमुख इंजनों को मजबूत रखने की सोच है। बजट में वित्त मंत्री ने रोजगार सृजन और आर्थिक गतिविधियों को मजबूत करने के लिए अवसंरचना पर खर्च पर जोर दिया है। अप्रैल 2022 से शुरू हो रहे वित्त वर्ष में पूंजीगत व्यय 35 फीसदी वृद्धि के साथ 7.5 लाख करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव है। जॉर्जीवा ने हाल ही में कुछ संवाददाताओं के साथ डिजिटल वार्ता में कहा कि हम भारत के लिए पूरी तरह मजबूत वृद्धि का पूर्वानुमान लगा रहे हैं। हां, यह जरूर है कि 2022 के लिए 9.5 फीसदी जीडीपी के हमारे अनुमान की तुलना में थोड़ा कम 9 प्रतिशत रहने की संभावना जताई गई है लेकिन हम 2023 के लिए भी पूर्वानुमान में थोड़ा संशोधन करेंगे, क्योंकि हमें लगता है कि हम स्थायी वृद्धि देखेंगे जो वित्त मंत्री द्वारा व्यक्त पूर्वानुमान से बहुत अलग नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बात को लेकर हमारा रूख बहुत ही सकारात्मक है कि भारत लघु अवधि के मुद्दों से निपटने के बारे में सोच रहा है और इसके साथ ही दीर्घकालिक संरचनात्मक रूपांतरण पर भी ध्यान दे रहा है। मानवीय पूंजी निवेश और डिजिटलीकरण पर अनुसंधान एवं विकास में नवोन्मेष पर बहुत जोर दिया जा रहा है।

अमीरों की सूची में मुकेश अंबानी और गौतम अडानी से भी नीचे आ गए मार्क जुकरबर्ग

कंपनी के मार्केट कैप को 200 बिलियन डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ

मुंबई ।

मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक के स्टॉक में एक दिन में आई बड़ी` गिरावट के बाद कंपनी के मार्केट कैप को 200 बिलियन डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ है। फोर्ब्स के अनुसार इससे संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी जुकरबर्ग की कुल संपत्ति 85 बिलियन हो गई। इसका मतलब है कि फोर्ब्स की लिस्ट में वो गौतम अडानी और मुकेश अंबानी से भी नीचे आ गए हैं। जुकरबर्ग की एक दिवसीय संपत्ति में गिरावट अब तक की सबसे बड़ी है और नवंबर में टेस्ला इंक के शीर्ष बॉस एलन मस्क के 35 बिलियन डॉलर के एक दिन के नुकसान के बाद दूसरी सबसे बड़ी गिरावट है। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क ने तब ट्विटर यूजर्स को वोट दिया था कि क्या उन्हें इलेक्ट्रिक कार निर्माता में अपनी 10 फीसदी हिस्सेदारी बेचनी चाहिए। टेस्ला के शेयरों को अभी तक परिणामी बिकवाली से उबरना बाकी है। 29 अरब डॉलर के सफाए के बाद जुकरबर्ग फोर्ब्स की रीयल-टाइम अरबपतियों की सूची में भारतीय व्यापार मुगल मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के बाद बारहवें स्थान पर हैं। जहां गौतम अडानी फोर्ब्स की लिस्ट में 10वें पायदान पर आ गए हैं। अब उनकी कुल नेटवर्थ 90.7 बिलियन डॉलर हो गई है। मुकेश अंबानी फोर्ब्स की लिस्ट में 11वें पायदान पर हैं। मौजूदा समय में उनकी कुल नेटवर्थ 89.2 बिलियन डॉलर हो गई है। जुकरबर्ग के पास पहले फेसबुक के नाम से जानी जाने वाली टेक कंपनी का लगभग 12.8 फीसदी की शेयरहोल्डिंग है। जुकरबर्ग ने पिछले साल 4.47 बिलियन डॉलर के मेटा शेयर बेचे। डेटा के अनुसार ई-कॉमर्स रिटेलर अमेजान के संस्थापक और अध्यक्ष बेजोस के पास कंपनी का लगभग 9.9 फीसदी हिस्सा है। फोर्ब्स के अनुसार वह दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति भी हैं। इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी रिवियन में अपने निवेश की बदौलत अमेजन का अवकाश-तिमाही लाभ बढ़ा और कंपनी ने कहा कि वह संयुक्त राज्य में प्राइम सब्सक्रिप्शन की एनुअल प्राइस में वृद्धि करेगी।

फोर्ब्स के अनुसार, एक साल पहले 2021 में बेजोस की कुल संपत्ति 57 फीसदी बढ़कर 177 बिलियन डॉलर हो गई, जो कि महामारी के दौरान बड़े पैमाने पर अमेज़न के उछाल से थी, जब लोग ऑनलाइन खरीदारी पर अत्यधिक निर्भर थे।

यस बैंक के आ सकते हैं अच्छे दिन, इक्विटी ग्रुप निवेश की तैयारी में

मुंबई ।

निजी क्षेत्र के बड़े बैंक में शुमार यस बैंक को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। प्राइवेट इक्विटी ग्रुप एडवेंट इंटरनेशनल यस बैंक में एक अरब डॉलर यानी 7,500 करोड़ रुपये का बड़ा निवेश करने की तैयारी में है। एडवेंट इनदिनों निवेश के लिए जरूरी खोजबीन कर रहा है और कंसोर्टियम भी बना सकता है। यस बैंक साल 2020 की शुरुआत में नकदी संकट में फंस गया था। इसके बाद से भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने ही यस बैंक के प्रबंधन का जिम्मा संभाला हुआ है। यस बैंक को अगर यह बड़ा निवेश मिला,तब निश्चित रूप से बैंक के शेयर में भी उछाल देखने को मिलेगा। सूत्रों के मुताबिक यस बैंक भी एक बड़ा निवेश चाहता है। आरबीआई के मौजूदा नियमों के तहत प्राइवेट इक्विटी फर्म्स जैसे गैर-प्रमोटर बैंकों में 9.9 फीसदी तक की हिस्सेदारी खरीद सकते हैं। हालांकि, इसके लिए आरबीआई की अनुमति लेनी होती है। यस बैंक का मौजूदा बाजार पूंजीकरण 34,425 करोड़ रुपये है। इस तरह मौजूदा मार्केट कैप के आधार पर बैंक में 9.9 फीसदी हिस्सेदारी 3408 करोड़ रुपये की बनती है। तरजीही आवंटन के माध्यम से यह प्रस्तावित निवेश एक्सिस बैंक में बैन कैपिटल के निवेश के समान हो सकता है। इसमें बैन कैपिटल ने एक कंसोर्टियम बनाकर एक्सिस बैंक में 1.8 बिलियन डॉलर का भारी निवेश किया था। हालांकि, यस बैंक से प्रस्तावित निवेश के बारे में पूछा गया,तब बैंक ने कोई टिप्पणी करने से इंकार कर दिया। यस बैंक में इनदिनों एसबीआई सबसे बड़ा शेयरधारक है। एसबीआई के पास यस बैंक की 30 फीसदी हिस्सेदारी है। मार्च 2020 में यह 48 फीसदी थी।एसबीआई के लिए तीन वर्ष का लॉक-इन पीरियड भी है। इसका मतलब है कि एसबीआई मार्च 2023 तक अपनी हिस्सेदारी 26 फीसद से नीचे नहीं ला सकता है। एसबीआई दो चरणों में यस बैंक में 7,810 करोड़ रुपये निवेश कर चुका है। यदि एसबीआई बैंक में और पूंजी नहीं डालने का फैसला करता है,तब यस बैंक तुरंत नए निवेशकों से लगभग 5,200 करोड़ रुपये जुटा सकता है, जिससे एसबीआई की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत पर बनी रहेगी। मार्च 2020 से अब तक यस बैंक 25,000 करोड़ रुपये जुटा चुका है। इसमें एसबीआई की अगुवाई वाले कंसोर्टियम द्वारा किया गया 10,000 करोड़ रुपये का निवेश भी शामिल है। बैंक के बोर्ड ने 21 जनवरी 2021 को 10,000 करोड़ रुपये और जुटाने के प्रस्ताव को अनुमति दी थी। हालांकि, बैंक निवेशकों को आकर्षित करने में सफल नहीं रहा। मौजूदा वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में यस बैंक का रिजल्ट अच्छा रहा है। यस बैंक का सीएआर 17.7 फीसदी पर है, जो रेगुलेटरी नॉर्म्स से काफी ऊपर है।

दिसंबर तिमाही में बैंक ने 266 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था, जो कि सालाना आधार पर 77 फीसद अधिक है। बैंक के सीईओ प्रशांत कुमार का कहना है कि बैंक अब अपने विकास पथ पर वापस आ गया है और एसेट क्वालिटी का मुद्दा अब पुरानी बात हो गई है। जानकारों का कहना है कि अगर एडवेंट इंटरनेशनल यस बैंक में हिस्सेदारी खरीदता है,तब बैंक के शेयर में अच्छी-खासी तेजी देखने को मिल सकती है। यस बैंक के शेयर में शुक्रवार को उछाल देखने को मिला। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर शुक्रवार दोपहर बैंक का शेयर 2.08 फीसदी या 0.28 रुपये की बढ़त के साथ 13.71 रुपये पर ट्रेड करता दिखाई दिया।

आम्रपाली स्मार्ट सिटी डेवलपर्स के निदेशकों के खिलाफ मामला दर्ज, बैंकों को लगाया 472.24 करोड़ का चूना

बिजनेस डेस्क :

सीबीआई (CBI) ने आम्रपाली स्मार्ट सिटी डेवलपर्स और कंपनी के निदेशक अनिल कुमार शर्मा समेत चार लोगों के खिलाफ 472 करोड़ रुपए से अधिक की कथित बैंक धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने कथित तौर पर तत्कालीन कॉरपोरेशन बैंक (अब यूनियन बैंक ऑफ इंडिया), ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स (अब पंजाब नेशनल बैंक) और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के बैंकों के एक संघ को 472.24 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाया है। सीबीआई की यह कार्रवाई कॉरपोरेशन बैंक की एक शिकायत पर हुई है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कंपनी का शुरू से ही इरादा ठीक नहीं था, उसने समझौते के तहत बकाया राशि का भुगतान करने में चूक करना शुरू कर दिया और अपने दायित्वों को पूरा करने में विफल रही। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया, 'ऋण राशि के वितरण के बाद से कंपनी ने जानबूझकर उसका भुगतान करने में चूक की। ऋण खाते ने गड़बड़ी के संकेत दिखने लगे और अंत में इसे एक गैर-निष्पादित संपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया।'

कैसे की हेराफेरी

एजेंसी ने कंपनी, उसके तीन निदेशकों शर्मा, शिव प्रिया और अजय कुमार और वैधानिक लेखा परीक्षक अमित मित्तल के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शर्मा, शिव प्रिया और कुमार इस समय जेल में हैं। बैंक ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने कंपनी के फॉरेंसिक ऑडिट का आदेश दिया था और रिपोर्ट सीधे अदालत को सौंपी गई थी। बैंक ने कहा, 'सांविधिक लेखा परीक्षक, (अमित) मित्तल, अपने कर्तव्य पूरे करने में विफल रहे और फॉरेंसिक रिपोर्ट में सामने आई धोखाधड़ी का हिस्सा थे। बैंकों से प्राप्त धन का गैर-अनुमोदित चीजों के लिए कई वर्षों तक बिना ब्याज दिए इस्तेमाल किया गया, जैसे निदेशकों की व्यक्तिगत संपत्ति के निर्माण, निदेशकों के व्यक्तिगत खर्चों आदि।' बैंक ने कहा कि कंपनी ने धन का हेरफेर करके, 'डमी' कंपनियां, फर्जी बिल बनाकर, कम कीमत पर फ्लैट बेचकर, फेमा तथा एफडीआई मानदंडों का उल्लंघन करके और धन शोधन के जरिए बैंकों को धोखा दिया है।

क्रिप्टो करेंसी कभी भी वैध मुद्रा नहीं बनेगी: सोमनाथन

नई दिल्ली । वित्त सचिव टीवी सोमनाथन ने क्रिप्टोकरेंसी की वैधता को लेकर चीजें साफ करते हुए कहा कि निजी डिजिटल मुद्रा कभी भी कानूनी मुद्रा नहीं बनेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस सप्ताह संसद में पेश 2022-23 के बजट मेंक्रिप्टोकरेंसी और अन्य डिजिटल संपत्तियों में लेन-देन पर होने वाले लाभ को लेकर 30 प्रतिशत कर लगाने का प्रस्ताव किया। साथ ही एक सीमा से अधिक के लेन-देन पर एक प्रतिशत टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) लगाने की भी घोषणा की। सोमनाथन ने कहा कि जिस प्रकार सोना और हीरा मूल्यवान होने के बावजूद वैध मुद्रा नहीं है, निजी क्रिप्टोकरेंसी भी कभी वैध मुद्रा नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि क्रिप्टो कभी भी वैध मुद्रा नहीं होगी। कानून के हिसाब से वैध मुद्रा का मतलब है कि उसे कर्ज के निपटान में स्वीकार किया जाएगा। भारत किसी भी क्रिप्टो संपत्ति को वैध मुद्रा नहीं बनाएगा। केवल भारतीय रिजर्व बैंक का डिजिटल रुपया ही देश में वैध मुद्रा होगा। दुनिया में केवल अल-सल्वाडोर ने ही पिछले साल सितंबर में बिटकॉइन को वैध मुद्रा के रूप में स्वीकार किया है। किसी भी अन्य देश में क्रिप्टो को वैध मुद्रा का दर्जा नहीं मिला है। देश में क्रिप्टो मुद्रा के लिए नियम बनाने को लेकर विचार-विमर्श जारी है लेकिन अब तक कोई मसौदा जारी नहीं किया गया है। इस बीच, केंद्रीय बैंक की डिजिटल मुद्रा अगले वित्त वर्ष से परिचालन में आएगी। यह पूछे जाने पर कि संसद के शीतकालीन सत्र में क्रिप्टो संपत्ति के नियमन को लेकर विधेयक लाने की बात संसद के कामकाज में शामिल थी लेकिन मौजूदा बजट सत्र में ऐसा नहीं है, सोमनाथन ने कहा कि यह महसूस किया गया कि क्रिप्टो पर कानून लाने से पहले इस पर व्यापक विचार-विमर्श की जरूरत है। इस विचार-विमर्श का मकसद इस बात पर गौर करना है कि क्या इसके लिए नियमन की जरूरत है। वित्त सचिव ने कहा कि हमारी व्यवस्था लोकतांत्रिक है। लोकतंत्र में सरकार कुछ शुरू करती है लेकिन फिर प्रतिक्रिया होती है। सरकार उस प्रतिक्रिया को सुन रही है और उसके आधार अभी तक अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा गया है। इस बीच चूंकि क्रिप्टो और अन्य डिजिटल संपत्तियों में लेन-देन लगातार बढ़ रहा था, अत- कर स्पष्टता की जरूरत थी।

वर्ष 2025 तक तेल-गैस उत्खनन क्षेत्र दोगुना करने का लक्ष्य: पुरी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने उम्मीद जाहिर कि भारत वर्ष 2025 तक तेल एवं गैस उत्खनन क्षेत्रफल को दोगुना कर पांच लाख वर्ग किलोमीटर कर तेल आयात पर अपनी निर्भरता कम करने में सफल होगा। पुरी ने कहा कि घरेलू स्तर पर तेल एवं गैस उत्खनन का क्षेत्रफल वर्ष 2030 तक 10 लाख वर्ग किलोमीटर पहुंचाने का लक्ष्य भी रखा गया है। इससे घरेलू स्तर पर तेल एवं गैस उत्पादन बढ़ने के साथ ही तेल आयात पर निर्भरता भी कम होगी। दुनिया का तीसरा बड़ा तेल एवं गैस उपभोक्ता देश भारत इन ऊर्जा स्रोतों के लिए आयात पर काफी हद तक आश्रित है। वह अपनी 80 प्रतिशत तेल जरूरत आयात से पूरी करता है,जबकि गैस के मामले में यह निर्भरता 50 प्रतिशत की है। पुरी ने कहा, तेल एवं गैस का घरेलू उत्पादन बढ़ाने के मकसद से उत्खनन क्षेत्र का दायरा बढ़ाने का फैसला किया गया है। वर्ष 2025 तक इसे पांच लाख वर्ग किलोमीटर और उसके अगले पांच वर्षों में 10 लाख वर्ग किलोमीटर तक ले जाने का लक्ष्य है। पिछले पांच वर्षों में नई मुक्त क्षेत्र लाइसेंसिंग नीति के तहत सात दौर में तेल एवं गैस खनन क्षेत्रों की नीलामी की गई है। जिसके बाद तेल एवं गैस उत्खनन का क्षेत्रफल बढ़कर दो लाख वर्ग किलोमीटर हो गया है। पुरी ने कहा कि वर्ष 2025 तक भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार पांच लाख करोड़ डॉलर और 2030 तक 10 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।इसकारण देश में ऊर्जा जरूरतें भी उसी अनुपात में बढ़ेंगी।इस पूरा करने के लिए घरेलू उत्पादन को बढ़ाना जरूरी है। पुरी ने कहा, बीपी एनर्जी परिदृश्य के मुताबिक वर्ष 2050 तक वैश्विक ऊर्जा मांग में भारत की हिस्सेदारी छह फीसदी के मौजूदा स्तर से दोगुनी होकर 12 फीसदी होने की संभावना है। भारत की ऊर्जा मांग बढ़ने का टिकाऊ विकास लक्ष्यों की उपलब्धि पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

कॉरपोरेट कर में छूट: सरकार चाहती है, निजी कंपनियां तेजी से नई विनिर्माण इकाइयां स्थापित करें

नई दिल्ली :

राजस्व सचिव तरुण बजाज ने शुक्रवार को कहा कि सरकार चाहती है कि घरेलू कंपनियां भारत में अपनी नई विनिर्माण इकाइयां तेजी से स्थापित करें और इसलिए 15 प्रतिशत की रियायती कर की दर को मार्च 2024 तक एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है। बजाज ने कहा कि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर संग्रह बढ़ रहा है और इसमें अच्छी तेजी है। इसका मतलब है कि कॉरपोरेट क्षेत्र का प्रदर्शन अच्छा है, और भारत का कर जीडीपी अनुपात चालू वर्ष में ''अब तक का सबसे अधिक'' हो सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी को पेश 2022-23 के आम बजट में नई विनिर्माण इकाइयों के लिए रियायती कॉरपोरेट कर की दर मार्च 2024 तक एक और वर्ष के लिए जारी रखने का प्रस्ताव किया। सरकार ने सितंबर 2019 में कॉरपोरेट कर की दर घटाते हुए कहा था कि किसी एक अक्टूबर 2019 को या उसके बाद गठित घरेलू कंपनी के विनिर्माण क्षेत्र में कोई भी नया निवेश करने पर उसके पास 15 फीसदी की दर से आयकर चुकाने का विकल्प होगा। लेकिन इसके शर्त थी कि उत्पादन 31 मार्च, 2023 तक शुरू हो जाए। हालांकि, इन कंपनियों को किसी भी अन्य आयकर छूट या प्रोत्साहन का लाभ उठाने की अनुमति नहीं होगी। बजाज ने यहां उद्योग मंडल एसोचैम के एक कार्यक्रम में कहा, ''हमने कर दरों को कम किया, लेकिन अब इसका फायदा दिख रहा है। मुझे आश्चर्य नहीं होगा यदि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों को एक साथ मिलाने पर चालू वर्ष में कर जीडीपी अनुपात सबसे अधिक हो जाए।'' उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में पूंजीगत व्यय बढ़कर दोगुने से अधिक हो गया है और इससे वृद्धि तेज होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्यों की जाती है वसंत पंचमी के दिन सरस्वती पूजा

वसंत/ बसंत पंचमी का पर्व हर साल माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। 5 फरवरी 2022 शनिवार को बसंत पंचमी पर्व मनाया जा रहा है। इस दिन मां सरस्वती की आराधना के साथ ही उनकी पूजा की जाएगी। आओ जानते हैं पूजा के शुभ मुर्हूत के साथ ही शुभ संयोग।

शुभ योग: इस दिन दो शुभ योग बन रहे हैं। 5 फरवरी को मकर राशि में सूर्य और बुध के रहने से बुधादित्य योग बन रहा है। वहीं सभी ग्रह 4 राशियों में विद्यमान रहेंगे। इस कारण केदार योग का भी निर्माण हो रहा है। 4 फरवरी को 7:10 बजे से 5 फरवरी को शाम 5 : 40 तक सिद्धयोग रहेगा। फिर 5 फरवरी को शाम 5.41 बजे से अगले दिन 6 फरवरी को शाम 4:52 बजे तक साध्य योग रहेगा। इसके अलावा इस दिन दिन रवि योग का सुन्दर संयोग भी बन रहा है। ऐसे में ये त्रिवेणी योग है।

पंचमी तिथि: पंचमी तिथि 5 फरवरी को प्रात: 3.49 बजे से रविवार के दिन प्रात: 3.49 बजे तक रहेगी।

शुभ मुहूर्त : सरस्वती पूजा का शुभ मुहूर्त 5 फरवरी की सुबह 6 बजकर 43 मिनट से अगले दिन सुबह 6 बजकर 43 मिनट तक है।

पूजा मुहूर्त : 07:07:19 बजे से दोपहर 12:35:19 तक।

अभिजीत मुहूर्त : सुबह 11:50 से दोपहर 12:34 तक।

अमृत काल : सुबह : 11:19 से दोपहर 12:55 तक।

श्रेष्ठ संयोग : उत्तराभाद्रपद के दौरान सिद्ध योग, साध्य योग और रवि योग।

वसंत पंचमी का महत्व

भारतीय पंचांग में 6 ऋतुएं होती हैं। इनमें से वसंत को 'ऋतुओं का राजा' कहा जाता है। वसंत फूलों के खिलने और नई फसल के आने का त्योहार है। ऋतुराज वसंत का बहुत महत्व है। ठंड के बाद प्रकृति की छटा देखते ही बनती है।

इस मौसम में खेतों में सरसों की फसल पीले फूलों के साथ, आमों के पेड़ों पर आए फूल (मौर या बौर), चारों तरफ हरियाली और गुलाबी ठंड मौसम को और भी खुशनुमा बना देती है।

यदि सेहत की दृष्टि से देखा जाए तो यह मौसम बहुत अच्छा होता है। इंसानों के साथ-साथ पशु-पक्षियों में नई चेतना का संचार होता है। इस ऋतु को काम बाण के लिए भी अनुकूल माना जाता है।

यदि हिन्दू मान्यताओं के मुताबिक देखा जाए तो इस दिन देवी सरस्वती का जन्म हुआ था। यही कारण है कि यह त्योहार हिन्दुओं के लिए बहुत खास है। इस त्योहार पर पवित्र नदियों में लोग स्नान आदि करते हैं और इसके साथ ही वसंत मेले आदि का भी आयोजन किया जाता है।

सृष्टि की रचना करते समय ब्रह्माजी ने मनुष्य और जीव-जंतु योनि की रचना की। इसी बीच उन्हें महसूस हुआ कि कुछ कमी रह गई है जिसके कारण सभी जगह सन्नाटा छाया रहता है। इस पर ब्रह्माजी ने अपने कमंडल से जल छिड़का जिससे 4 हाथों वाली एक सुंदर स्त्री, जिसके एक हाथ में वीणा थी तथा दूसरा हाथ वरमुद्रा में था तथा अन्य दोनों हाथों में पुस्तक और माला थी, प्रकट हुईं।

ब्रह्माजी ने वीणावादन का अनुरोध किया जिस पर देवी ने वीणा का मधुर नाद किया। जिस पर संसार के समस्त जीव-जंतुओं में वाणी व जलधारा कोलाहल करने लगी तथा हवा सरसराहट करने लगी। तब ब्रह्माजी ने उस देवी को 'वाणी की देवी सरस्वती' का नाम दिया।

मां सरस्वती को बागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादिनी और वाग्देवी आदि कई नामों से भी जाना जाता है। ब्रह्माजी ने माता सरस्वती की उत्पत्ति वसंत पंचमी के दिन की थी। यही कारण है कि प्रत्येक वर्ष वसंत पंचमी के दिन ही देवी सरस्वती का जन्मदिन मानकर पूजा-अर्चना की जाती है।

सरस्वती व्रत की विधि

वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की पूजा करनी चाहिए। प्रातःकाल सभी दैनिक कार्यों से निवृत्त होने के उपरांत मां भगवती सरस्वती की आराधना का प्रण लेना चाहिए। इसके बाद दिन के समय यानी पूर्वाह्न काल में स्नान आदि के बाद भगवान गणेशजी का ध्यान करना चाहिए।

स्कंद पुराण के अनुसार सफेद पुष्प, चंदन, श्वेत वस्त्रादि से देवी सरस्वतीजी की पूजा करना चाहिए। सरस्वतीजी का पूजन करते समय सबसे पहले उनको स्नान कराना चाहिए। इसके पश्चात माता को सिन्दूर व अन्य श्रृंगार की सामग्री चढ़ाएं। इसके बाद फूलमाला चढ़ाएं।

देवी सरस्वती का मंत्र

मिठाई से भोग लगाकर सरस्वती कवच का पाठ करें। मां सरस्वतीजी के पूजा के वक्त इस मंत्र का जाप करने से असीम पुण्य मिलता है।

'श्रीं ह्रीं सरस्वत्यै स्वाहा'।

मां सरस्वती का श्लोक

मां सरस्वती की आराधना करते वक्त इस श्लोक का उच्चारण करना चाहिए-

ॐ श्री सरस्वती शुक्लवर्णां सस्मितां सुमनोहराम।।
कोटिचंद्रप्रभामुष्टपुष्टश्रीयुक्तविग्रहाम।
वह्निशुद्धां शुकाधानां वीणापुस्तकमधारिणीम।।
रत्नसारेन्द्रनिर्माणनवभूषणभूषिताम।
सुपूजितां सुरगणैब्रह्मविष्णुशिवादिभि:।।
वन्दे भक्तया वन्दिता च।

विशेष उपाय

आपका बच्चा यदि पढ़ने में कमजोर है तो वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की विधि-विधान से पूजा करें एवं उस पूजा में प्रयोग की हल्दी को 1 कपड़े में बांधकर बच्चे की भुजा में बांध दें। मां सरस्वती को 'वाणी की देवी' कहा माना जाता है इसलिए मीडिया, एंकर, अधिवक्ता, अध्यापक व संगीत आदि के क्षेत्र से जुड़े लोगों को वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की पूजा जरूर करनी चाहिए। माता सरस्वती की पूजा-अर्चना आदि करने से मन शांत होता है व वाणी में अच्छा निखार आता है। यदि आप चाहते हैं कि आपके बच्चे परीक्षा में अच्छे नंबर लाएं तो आप अपने बच्चे के कमरे में मां सरस्वती की तस्वीर अवश्य लगाएं।

जो लोग बहुत ही तीखा बोलते हैं जिस कारण उनके बने-बनाए काम भी बिगड़ जाते हैं, उन लोगों को मां सरस्वती की पूजा अवश्य करनी चाहिए।

देश के 8 देवी सरस्वती मंदिर, यहाँ होंगी सभी मनोकामनाएं पूर्ण

बसंत पंचमी पर माता सरस्वती की पूजा अक्सर स्कूलों में और उन दफ्तर या संस्थानों में होती है जहां पर लेखन, गायन और वादन का कार्य होता है। वैसे तो देश में माता सरस्वती के बहुत ही कम मंदिर है। फिर भी वसंत पंचमी पर जानिए देश के 10 प्रसिद्ध सरस्वती के मंदिर जहां पर जाने होंगी आपकी मनोकामनाएं पूर्ण।

1. भीम पुल सरस्वती मंदिर : उत्तराखंड में बद्रीनाथ धाम से 3 किलोमीटर आगे माता सरस्वती का उद्गम स्थल है। कहते हैं कि यहां पर माता सरस्वती प्रकट हुए थी। यही पर भीम पुल के नीचे से माता सरस्वती निकलती है और यहीं नीचे धरातल में लुप्त भी हो जाती है। यहीं पर माता सरस्वती का एक दिव्य मंदिर बना हुआ है।
2. बासरा सरस्वती मंदिर : आंध्र प्रदेश में आदिलाबाद जिले के मुधोल क्षेत्र में है बासर गांव। गोदावरी के तट पर बने इस गांव में है विद्या के देवी मां सरस्वती जी का विशाल मंदिर जिसे महाभारत के रचयिता महाऋषि वेद व्यास ने बनवाया था। इस मंदिर के निकट ही वाल्मीकि जी की संगमरमर की समाधि बनी है।

मंदिर में केंद्रीय प्रतिमा सरस्वती जी की है, साथ ही लक्ष्मी जी भी विराजित हैं। सरस्वती जी की प्रतिमा पद्मासन मुद्रा में 4 फुट ऊंची है। मंदिर के पूर्व में निकट ही महाकाली मंदिर है और लगभग एक सौ मीटर दूर एक गुफा है। यहीं एक अनगढ़ सी चट्टान भी है, जहां सीताजी के आभूषण रखे हैं। बासर गांव में 8 ताल हैं जिन्हें वाल्मीकि तीर्थ, विष्णु तीर्थ, गणेश तीर्थ, पुथा तीर्थ कहा जाता है।

3. पुष्कर का सरस्वती मंदिर : राजस्थान में पुष्कर नामक प्रसिद्ध स्थान है जहां पर ब्रह्मा जी का एकमात्र प्रसिद्ध मंदिर है। यहीं पर विद्या की देवी सरस्वती का भी मंदिर है। यहां पर माता सावित्र का मंदिर भी है। मान्यता है कि यहां पर माता सरस्वती नदी के रूप में भी विराजमान हैं। यहां उन्हें उर्वरता व शुद्धता का प्रतीक माना जाता है।
4. श्रृंगेरी का शारदा मंदिर : चार पीठों में से एक श्रृंगेरी में एक पीठ है। श्रृंगेरी में माता शारदा का प्रसिद्ध मंदिर है जिसे शरादाम्बा मंदिर के नाम से जाना जाता है। शरादाम्बा मंदिर और दक्शनाम्नाया पीठ को आचार्य श्री शंकर भागावात्पदा द्वारा 7 वीं शताब्दी में बनाया गया था।
5. मूकाम्बिका मंदिर : केरल के एरनाकुलम जिले में माता सरस्वती का मंदिर है जिसे मूकाम्बिका का मंदिर कहा जाता है। कथा के अनुसार यहां के राजा देवी मूकाम्बिका की पूजा करते थे। इसके लिए वे हर साल मंगलौर के कोल्लूर मंदिर में जाते थे। राजा जब बूढे हो गए तो वहां जाने में परेशानी होने लगी। भक्त की परेशानी को समझकर माता सपने में आई और उनका मंदिर बनाने का कहा। यहां देवी सरस्वती की मूर्ति पूर्व दिशा की ओर मुंह करके विराजमान है। मंदिर में जनवरी और फरवरी महीने में उत्सव मनाना जाता। यहां पर बच्चों का विद्यारंभ संस्कार किया जाता है।
6. मैहर का शारदा मंदिर : मैहर का शारदा मंदिर वैसे तो माता कालिका का मंदिर है परंतु इसे मां सरस्वती का मंदिर भी माना जाता है। यह स्थान मध्यप्रदेश के सतना शहर के पास करीब त्रिकुटा पहाड़ी पर स्थित है। मां सरस्वती यहां पर मां शारदा के रूप में विराजमान हैं।
7. भोजशाला धार : मध्यप्रदेश के धार नगर में स्थित एक भोजशाला है जहां पर प्रतिवर्ष बसंत पंचमी पर सरस्वती माता के आराधकों का मेला लगता है। इस स्थान पर मां सरस्वती की विशेष रूप से इस दिन पूजा-अर्चना होती है। राजा भोज सरस्वती माता के भक्त थे। यह विवादित स्थल माना जाता है।
8. वारंगल श्री विद्या सरस्वती मंदिर: आंध्र प्रदेश के मेंढक जिले के वारंगल में स्थित है हंस वाहिनी विद्या सरस्वती मंदिर। कांची शंकर मठ मंदिर का रखरखाव करता है। इसी स?थान पर अन्य देवी-देवताओं के मंदिर जैसे श्री लक्ष्मी गणपति मंदिर, भगवान शनीश्वर मंदिर, और भगवान शिव मंदिर निर्मित हैं।

माघ मास की गुप्त नवरात्रि प्रामाणिक एवं प्राचीन कथा

2 फरवरी से माघ मास की गुप्त नवरात्रि आरंभ हो गई है। गुप्त नवरात्रि के दौरान मां काली, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, माता छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, मां धूमावती, माता बगलामुखी, मातंगी और कमला देवी की पूजा की जाती है। गुप्त नवरात्रि तांत्रिक क्रियाओं, शक्ति साधना और महाकाल आदि से जुड़े लोगों के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है। आइए यहां पढ़ें गुप्त नवरात्रि से जुड़ी पौराणिक कथा इस कथा को नवरात्रि के दौरान किसी भी समय पढ़ा जा सकता है। विशेषकर प्रथम दिन इसका वाचन एवं श्रवण किया जाता है।

गुप्त नवरात्रि से जुड़ी प्रामाणिक एवं प्राचीन कथा यह है-

इस कथा के अनुसार एक समय ऋषि श्रृंगी भक्तजनों को दर्शन दे रहे थे। अचानक भीड़ से एक स्त्री निकलकर आई और करबद्ध होकर ऋषि श्रृंगी से बोली कि मेरे पति दुर्व्यसनों से सदा घिरे रहते हैं जिस कारण मैं कोई पूजा-पाठ नहीं कर पाती। धर्म और भक्ति से जुड़े पवित्र कार्यों का संपादन भी नहीं कर पाती। यहां तक कि ऋषियों को उनके हिस्से का अन्न भी समर्पित नहीं कर पाती। मेरा पति मांसाहारी हैं, जुआरी है, लेकिन मैं मां दुर्गा की सेवा करना चाहती हूं, उनकी भक्ति-साधना से अपने और परिवार के जीवन को सफल बनाना चाहती हूं। ऋषि श्रृंगी महिला के भक्तिभाव से बहुत प्रभावित हुए। ऋषि ने उस स्त्री को आदरपूर्वक उपाय बताते हुए कहा कि वासंतिक और शारदीय नवरात्रों से तो आम जनमानस परिचित है, लेकिन इसके अतिरिक्त 2 नवरात्रि और भी होते हैं जिन्हें 'गुप्त नवरात्रि' कहा जाता है। उन्होंने कहा कि प्रकट नवरात्रों में 9 देवियों की उपासना होती है और गुप्त नवरात्रों में 10 महाविद्याओं की साधना की जाती है। इन नवरात्रों की प्रमुख देवी स्वरूप का नाम सर्वैश्वर्यकारिणी देवी है। यदि इन गुप्त नवरात्रि में कोई भी भक्त माता दुर्गा की पूजा-साधना करता है, तो मां उसके जीवन को सफल कर देती हैं। ऋषि श्रृंगी ने आगे कहा कि लोभी, कामी, व्यसनी, मांसाहारी अथवा पूजा-पाठ न कर सकने वाला भी यदि गुप्त नवरात्रों में माता की पूजा करता है, तो उसे जीवन में कुछ और करने की आवश्यकता ही नहीं रहती। उस स्त्री ने ऋषि श्रृंगी के वचनों पर पूर्ण श्रद्धा करते हुए गुप्त नवरात्रि की पूजा की। देवी मां उस पर प्रसन्न हुईं और उस स्त्री के जीवन में परिवर्तन आने लगा। उसके घर में सुख-शांति आ गई। पति, जो गलत रास्ते पर था, सही मार्ग पर आ गया। गुप्त नवरात्रि की माता की आराधना करने से उनका जीवन पुन- सुख-संपन्नता से भरा गया।

बसंत पंचमी: अच्छे दिन चाहिए तो वसंत पंचमी पर राशि अनुसार जरूर करें शुभ काम

बसंत पंचमी का दिन बहुत ही शुभ माना जाता है। इस दिन से बसंत ऋतु का प्रारंभ होता है और धरती पर बसंत की बहार शुरु हो जाती है। इस दिन को किसी भी प्रकार के शुभ कार्य और दान के लिए उत्तम माना जाता है। आओ जानते हैं कि राशि अनुसार कौनसे कार्य करना चाहिए और कौनसा दान देना चाहिए।

बसंत पंचमी पर राशि के अनुसार करें दान -

मेष: आपको शिक्षा में सफलता, एकाग्रता और बुद्धि प्राप्ति के लिए मां सरस्वती कवच पाठ पढ़ना चाहिए।

वृषभ: आपको सफलता प्राप्त करने, ज्ञान को इंक्रीज करने के लिए माता सरस्वती को सफेद चंदन एवं सफेद पुष्प अर्पित करना चाहिए।

मिथुन: आपको लिखने संबंधी समस्या के निदान हेतु और सफलता प्राप्ति के लिए मां सरस्वती के चरणों में हरे रंग की कलम अर्पित करना चाहिए।

कर्क: यदि आप संगीत या किसी अन्य कला के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं तो माता सरस्वती को खीर का भोग लगाएं।

सिंह: आपको पढ़ाई में सफलता प्राप्त करने या विदेश में पढ़ाई करने के लिए मां सरस्वती की पूजा के दौरान गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए।

कन्या: आपको पढ़ाई में यदि किसी भी प्रकार की कठिनाईयां आ रही है तो सरस्वती पूजा के बाद पुस्तकें, कलम, पेंसिल आदि का दान करना चाहिए।

तुला: आपको वाणी से जुड़ी कोई समस्या हैं तो माता सरस्वती की पूजा के बाद सफेद वस्त्र का दान करें।

वृश्चिक: आपको किसी कार्य में सपलता प्राप्त करना हो तो सरस्वती पूजा के दौरान माता के चरणों में लाल रंग का कलम अर्पित करना चाहिए।

धनु: आपको स्मृति दोष है या याददाश्त आपकी कमजोर है, उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं या आपमें निर्णय लेने की क्षमता कमजोर है तो माता सरस्वती को बेसन के लड्डू का भोग लगाना कर लाल रंग का पेन और पीले रंग की मिठाई उन्हें अर्पित करें।

मकर: आपको शिक्षा में सफलता अर्जित करना है या बुद्धिबल बढ़ाना है तो सरस्वती पूजा करने के बाद किसी जरूरतमंद या निर्धन व्यक्ति को चावल या अनाज का दान करना चाहिए।

कुंभ: आपको आत्मविश्वास बढ़ना है और शिक्षा में सफलता अर्जित करना है तो माता सरस्वती की पूजा के बाद विद्या से जुड़ी वस्तुओं का दान करना चाहिए। जैसे गरीब बच्चों में स्कूल बैग, कॉपी, पेन, पेंसिल और दूसरी जरूरी चीजें दान करें।

मीन: आपको करियर संबंधी समस्या का निवारण करना है तो आप माता सरस्वती पूजा के दिन पीले रंग की मिठाई का भोग लगा सकते हैं या पीले वस्त्र का दान कर सकते हैं।

सार समाचार

वित्त सचिव सोमनाथन ने कहा, क्रिप्टो करेंसी कभी भी वैध मुद्रा नहीं बनेगी

नयी दिल्ली। वित्त सचिव टी वी सोमनाथन ने बृहस्पतिवार को क्रिप्टोकरेंसी की वैधता को लेकर चीजें साफ करते हुए कहा कि निजी डिजिटल मुद्रा कभी भी कानूनी मुद्रा नहीं बनेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस सप्ताह संसद में पेश 2022-23 के बजट मेंक्रिप्टोकरेंसी और अन्य डिजिटल संपत्तियों में लेन-देन पर होने वाले लाभ को लेकर 30 प्रतिशत कर लगाने का प्रस्ताव किया। साथ ही एक सीमा से अधिक के लेन-देन पर एक प्रतिशत टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) लगाने की भी घोषणा की। सोमनाथन ने पीटीआई-से बातचीत में कहा कि जिस प्रकार सोना और हीरा मूल्यवान होने के बावजूद वैध मुद्रा नहीं है, निजी क्रिप्टोकरेंसी भी कभी वैध मुद्रा नहीं होंगी। उन्होंने कहा, 'क्रिप्टो कभी भी वैध मुद्रा नहीं होगी। कानून के हिसाब से वैध मुद्रा का मतलब है कि उसे कर्ज के निपटान में स्वीकार किया जाएगा। भारत किसी भी क्रिप्टो संपत्ति को वैध मुद्रा नहीं बनाएगा। केवल भारतीय रिजर्व बैंक का डिजिटल रुपया ही देश में वैध मुद्रा होगा।' दुनिया में केवल अल-सल्वाडोर ने ही पिछले साल सितंबर में बिटकॉइन को वैध मुद्रा के रूप में स्वीकार किया है। किसी भी अन्य देश में क्रिप्टो को वैध मुद्रा का दर्जा नहीं मिला है। देश में क्रिप्टो मुद्रा के लिये नियम बनाने को लेकर विचार-विमर्श जारी है। लेकिन अब तक कोई मसौदा जारी नहीं किया गया है। इस बीच, केंद्रीय बैंक की डिजिटल मुद्रा अगले वित्त वर्ष से परिचालन में आएगी। यह पूछे जाने पर कि संसद के शीतकालीन सत्र में क्रिप्टो संपत्ति के नियमन को लेकर विधेयक लाने की बात संसद के कामकाज में शामिल थी लेकिन मौजूदा बजट सत्र में ऐसा नहीं है, सोमनाथन ने कहा, 'यह महसूस किया गया कि क्रिप्टो पर कानून लाने से पहले इस पर व्यापक विचार-विमर्श की जरूरत है। इस विचार-विमर्श का मकसद इस बात पर गौर करना है कि क्या इसके लिये नियमन की जरूरत है।' वित्त सचिव ने कहा, 'हमारी व्यवस्था लोकतांत्रिक है। लोकतंत्र में सरकार कुछ शुरू करती है लेकिन फिर प्रतिक्रिया होती है। सरकार उस प्रतिक्रिया को सुन रही है और उसके आधार अभी तक अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा गया है...। इस बीच, चूंकि क्रिप्टो और अन्य डिजिटल संपत्तियों में लेन-देन लगातार बढ़ रहा था, अतः कर स्पष्टता की जरूरत थी।

नाक से निकली पानी की एक बूंद भी संक्रमित करने के लिए काफी : शोध

लंदन। ब्रिटेन में हुए एक नए शोध से पता चला है कि किसी संक्रमित के नाक से निकलने वाली पानी की एक सूक्ष्म बूंद के संपर्क में आने मात्र से व्यक्ति कोविड-19 का शिकार हो सकता है। इस शोध की शुरूआत में प्रतिभागियों के शरीर में सार्स-कोव-2 वायरस के अंश डाले गए थे। शोधकर्ताओं ने दावा किया कि यह अपनी तरह का पहला शोध है, जो व्यक्ति के सार्स-कोव-2 वायरस के संपर्क में आने से लेकर संक्रमण से उबरने तक के सफर में कोविड-19 की स्थिति का विस्तृत विश्लेषण करता है। उन्होंने पाया कि वायरस के संपर्क में आने के औसतन दो दिन बाद लक्षण बहुत तेजी से उभरने लगते हैं। शोधकर्ताओं ने यह भी देखा कि संक्रमण गले से शुरू होता है और लगभग पांच दिन बाद जब यह चरम पर पहुंच जाता है, तब नाक में वायरस की संख्या गले के मुकाबले कहीं अधिक होती है। शोध से यह भी सामने आया है कि लैटरल फ्लो टेस्ट (एलएफटी) इस बात के विश्वसनीय संकेतक हैं कि मरीज में वायरस मौजूद है या नहीं? और वह अन्य लोगों में वायरस का प्रसार करने में सक्षम है या नहीं? शोध के नतीजे ह्यनेचर जर्नलह्न के प्री-प्रिंट सर्वर पर प्रकाशित किए गए हैं। हालांकि, इनकी समीक्षा किया जाना अभी बाकी है। लंदन स्थित रॉयल फ्री अस्पताल में हुए इस शोध में 36 स्वस्थ युवा प्रतिभागियों को शामिल किया गया, जिनमें वायरस के खिलाफ कोई प्रतिरोधक क्षमता नहीं थी। सभी प्रतिभागियों को वायरस की न्यूनतम मात्रा के संपर्क में लाया गया, जो आमतौर पर संक्रमण के चरम पर होने के दौरान नाक से निकलने वाली पानी की एक सूक्ष्म बूंद में मौजूद हो सकती है। शोध दल में शामिल इंपीरियल कॉलेज के प्रोफेसर क्रिस्टोफर चिउ ने बताया कि नाक से निकलने वाली पानी की एक सूक्ष्म बूंद भी व्यक्ति को संक्रमित करने के लिए काफी है। हालांकि, ऐसी स्थिति में मरीज के गंभीर संक्रमण का शिकार होने की आशंका न के बराबर रहती है। चिउ के मुताबिक, यह अध्ययन कोविड-19 के इलाज के लिए नए टीके और दवाओं के विकास में मदद करेगा।

सीरिया में अमेरिकी हमले में आईएस का प्रमुख मारा गया :बाइडन

अतमह(सीरिया)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बृहस्पतिवार को कहा कि सीरिया में देर रात अमेरिकी विशेष बलों के हमले में इस्लामिक स्टेट समूह का प्रमुख मारा गया। हमले में अबू इब्राहिम अल-हाशिमी अल-कुरैशी को निशाना बनाया गया, जिसने अबू बकर अल बगदादी के इसी इलाके में एक अमेरिकी हमले में मारे जाने के बाद 31 अक्टूबर 2019 को आतंकी संगठन की बागडोर संभाली थी। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी सैनिकों के पहुंचने पर जिस तरह बगदादी ने एक बम विस्फोट कर खुद को अपने परिवार के सदस्यों को मार डाला था उसी तरह अल कुरैशी की मौत हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अमेरिकी विशेष बल सीरिया में विद्रोहियों के कब्जे वाले एक इलाके में उतरे और एक मकान पर धावा बोला, दो घंटे तक उनकी बंदूकधारियों के साथ झड़प हुई। इलाके के बाशिंदों ने बताया कि लगातार गोलीबारी और विस्फोटों से तुर्की की सीमा पर स्थित अतमह कस्बा दहल उठा। प्राप्त सूचना के मुताबिक छह बच्चों और चार महिलाएं समेत 13 लोग मारे गये हैं। बाइडन ने एक बयान में कहा कि उन्होंने ह्यहमअमेरिकी लोगों और अपने सहयोगियों की सुरक्षा करने तथा विश्व को एक सुरक्षित स्थान बनाने के लिए इस हमले का आदेश दिया था। 'उन्होंने कहा, ह्यहमहमारे सशस्त्र बलों के कौशल और बहादुरी को सलाम, हमने आईएसआईएस प्रमुखअबू इब्राहिम अल-हाशिमी अल-कुरैशी का जंग का मैदान जीतलिया है।' उन्होंने कहा कि अभियान में शामिल सभी अमेरिकी सुरक्षित लौट आए हैं।

पाकिस्तान में सुरक्षा चौकियों पर हमला: 13 आतंकवादी ढेर, सात सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में हथियारों से लैस हमलावरों ने सुरक्षा बलों के दो शिविरों पर हमला कर दिया, जिसके बाद भीषण गोलीबारी में कम से कम 13 आतंकवादियों को मार गिराया गया। सेना ने बृहस्पतिवार को बताया कि घटना में सात सैनिकों की भी मौत हुई है। प्रतिबंधित बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बुधवार को पंजगुर और नौशकी जिलों में हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। पंजगुर में, हमलावरों ने दो स्थानों से सुरक्षा बलों के शिविर में प्रवेश करने की कोशिश की, जबकि नौशकी में उन्होंने फ्रंटियर कोर (एफसी) पोस्ट में घुसने का प्रयास किया था। पाकिस्तानी सेना के एक बयान के अनुसार, दोनों चौकियों पर हमलावरों को ढेर करने के बाद, सुरक्षा बलों ने इलाके में छिपे आतंकवादियों की तलाश के लिए अभियान चलाया। गृह मंत्री शेख रशीद अहमद ने एक वीडियो संदेश में कहा कि नौशकी में नौ आतंकवादी और चार सैनिक मारे गए। उन्होंने इसे आतंकवाद के खिलाफ 'बड़ी सफलता' करार देते हुए कहा, 'पाकिस्तानी सेना ने दोनों जगहों से आतंकियों को खदेड़ दिया। पंजगुर में सेना ने चार से पांच लोगों को घेर लिया है और उन्हें मात दी जाएगी।' प्रधानमंत्री इमरान खान ने बलूचिस्तान में शिविरों पर आतंकी हमलों को नाकाम करने के लिए बृहस्पतिवार को ट्विटर पर सुरक्षा बलों को बधाई दी। इससे पहले, सेना की मीडिया इकाई इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा, 'दोनों हमलों का माकूल जवाब दिया गया..।'

कनाडा में लोग सेंट जोंस कोलेज की खिड़की से लॉयन डांस देखते हुए।

यूरोप कोविड महामारी के संभावित अंत की ओर बढ़ रहा : डब्ल्यूएचओ

कोपेनहेगन। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के यूरोप कार्यालय के निदेशक ने बृहस्पतिवार को कहा कि महाद्वीप अब कोविड-19 महामारी के संभावित अंत की ओर बढ़ रहा है और संक्रमण से होने वाली मौतों की संख्या का स्थिर होना शुरू हो गया है। डॉ. हेंस क्लुग ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि तीन कारणों से कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए यूरोप के देशों के पास एक ही अवसर है : टीकाकरण के चलते उच्च स्तर की प्रतिरक्षा और प्राकृतिक संक्रमण, वायरस की उष्ण मौसम में फैलने की कम प्रवृत्ति और ओमीक्रोन स्वरूप से कम मौत होना। क्लुग ने कहा कि चूंकि आने वाले हफ्तों में यूरोप के ज्यादातर हिस्से में सर्दी कम हो जाएगी, ऐसे में आगामी वसंत का मौसम 'हमें स्थिरता की संभावना वाली एक लंबी अवधि में ले जाएगा तथा आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से में संचरण के फिर से होने के खिलाफ प्रतिरक्षा होगी।' उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस का कोई अन्य स्वरूप उभरने पर भी यूरोप में स्वास्थ्य अधिकारी इसे रोकने में सक्षम होंगे। हालांकि उन्होंने कहा कि इसके लिए सीमाओं पर टीकाकरण बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पूरे यूरोप में और अन्य स्थानों पर हर किसी को टीका लगाया जाना चाहिए। क्लुग ने इस बात का जिक्र किया कि पिछले हफ्ते डब्ल्यूएचओ के यूरोपीय क्षेत्र में कोविड के 1.2 करोड़ नये मामले सामने आए थे, जो महामारी के दौरान किसी सप्ताह का सर्वाधिक आंकड़ा था।

चीन की आक्रामकता के खिलाफ खड़े हैं भारत के साथ: अमेरिका

गलवान घाटी में घायल सैनिक को विंटर ओलंपिक में मशाल देने का मामला

वाशिंगटन (एजेंसी)

गलवान घाटी में घायल सैनिक को विंटर ओलंपिक में मशाल देने पर अमेरिका ने चीन को फटकार लगाई है। यूएस ने साफ कर दिया है कि वह चीनी आक्रामकता के खिलाफ भारत के साथ खड़ा है। विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि जब भारत-चीन सीमा की स्थिति की बात आती है, तो हम सीधी बातचीत और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा ?कि हमने पहले भी अपने पड़ोसियों को डराने के लिए चल रहे प्रयासों के बीजिंग के पैटर्न पर अपनी चिंता जताई है। जैसा कि हम हमेशा करते हैं। हम दोस्तों के साथ खड़े होते हैं। हम हिंद-प्रशांत में अपनी साझा समृद्धि, सुरक्षा और मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए भागीदारों और सहयोगियों के साथ खड़े हैं। अमेरिकी सीनेटर जिम रिस्क ने ट्वीट किया कि यह शर्मनाक है कि बीजिंग ने ऐसे व्यक्ति के हाथों में विंटर ओलंपिक की मशाल थमा दी, जो भारत पर किए गए सैन्य हमले में शामिल था। इसके अलावा वह शख्स सेना का भी हिस्सा है, जिसने उइगर मुस्लिमों का नरसंहार किया। अमेरिका की ओर से उइगरों की आजादी और भारत की संप्रभुता का समर्थन जारी रहेगा।

चीनी सेना के रेजिमेंटल कमांडर को विंटर ओलंपिक की मशाल थमाई गई है। यह सैनिक जून, 2020 में लद्दाख के पास गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों से झड़प के दौरान जख्मी हुई थी। चीन ने इस घटना में अपने महज 4 से 5 सैनिकों के ही मारे जाने की बात काफी लंबे समय बाद स्वीकार की थी, लेकिन दूसरे देशों की न्यूज एजेंसी की ओर से 40 चीनी सैनिकों के मारे जाने के दावे किए जाते रहे हैं। 4 फरवरी से बीजिंग ओलंपिक की शुरूआत हो गई है। इस मौके पर चीनी राष्ट्रपति शी जिंगपिंग, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, पाकिस्तान के पीएम इमरान खान सहित मध्य एशियाई देशों के पांच राष्ट्रपति शामिल हो रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के अधिकारी चीन द्वारा शिनजियांग में मानवाधिकारों के उल्लंघन के कारण उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं हो रहे हैं, हालांकि इन देशों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

एक तरफ जहां पाकिस्तानी सैनिक मारे जा रहे, वहीं राष्ट्रपति ऑनलाइन गेम खेलने में लगे थे

दुबई। (एजेंसी)

पाकिस्तान के लिए काल बन चुके बलूच विद्रोहियों ने पाक सेना की चौकियों पर हमला कर जमकर रक्तपात मचाया। बलूच विद्रोहियों ने बलूचिस्तान प्रांत के पांचगीर और मुश्किर इलाके में फ्रंटियर कोर और पाकिस्तानी सेना के ठिकानों पर भीषण हमला किया। बलूच विद्रोहियों के तरफ से किए दावों के अनुसार इस हमले में 100 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। हमले की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली है। उधर पाकिस्तानी सेना ने दावा किया है कि बलूचों के हमले को विफल कर दिया गया है। लेकिन जब पाकिस्तानी सैनिकों के खून बहाए जा रहे थे उस वक्त पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ऑनलाइन गेम खेलने में व्यस्त थे। पाकिस्तानी राष्ट्रपति ने इस बात का जिक्र खुद ही ट्विट करते बताया है कि वो **wordle** ऑनलाइन गेम खेल रहे थे और उन्होंने काफी अच्छा स्कोर किया है। बूलच विद्रोहियों के हमलों के बीच पाक राष्ट्रपति के किए गए ट्विट को लेकर उनकी खूब आलोचना होने लगी। जिसके बाद अल्वी ने अपना ट्विट डीलिट कर लिया। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और अल्वी की इस हरकत को लेकर उन्हें खूब ट्रोल किया जाने लगा।

बता दें कि **wordle** एक नया ऑनलाइन गेम है, जो आपकी शब्दावली यानी की वोकैबुलरी का टेस्ट करने के लिए बनाया गया है। इसके नियम बहुत सरल और सीधे हैं: आपको केवल पांच अक्षरों वाले शब्द का अनुमान लगाना है। इससे पहले बलूच विद्रोहियों ने 10 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया था और उसके तीस घंटे बाद जनरल बाजवा ने उसी स्वीकार किया था।

हिंसक झड़प में घायल पीएलए सैनिक को ओलंपिक मशाल वाहक बनाए जाने पर अमेरिका ने की चीन की निंदा, भारत का दिया साथ

(एजेंसी)

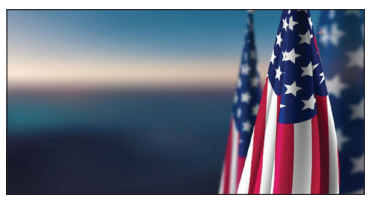

वाशिंगटन। अमेरिका ने कहा है कि वह चीन की आक्रामकता के खिलाफ भारत के प्रति एकजुट है। दरअसल देश के अनेक सांसदों ने 2020 में गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में घायल हुए पीएलए के एक सैनिक को ओलंपिक मशाल वाहक बनाने के चीन के फैसले की निंदा की, इसके बाद अमेरिका ने यह बयान दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बृहस्पतिवार को एक दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'जहां तक बात भारत-चीन सीमा विवाद की है, हम सीधे संवाद और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करना जारी रखेंगे।' उन्होंने कहा, 'हमने पहले भी अपने पड़ोसियों को डराने-धमकाने के चीन के प्रयासों पर चिंता व्यक्त की है। जैसा कि हम हमेशा करते हैं, हम दोस्तों के साथ खड़े हैं। हम हिंद-प्रशांत में अपनी साझा समृद्धि, सुरक्षा तथा मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए भागीदारों और सहयोगियों के साथ खड़े हैं।' इससे पहले दिन में, दो शीर्ष अमेरिकी सांसदों मार्को रुबियो और जिम रिश ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के रेजिमेंटल कमांडर क्वी फाबाओ को ओलंपिक मशाल वाहक बनाने के फैसले के लिए चीन की आलोचना की थी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी ने भी आरोप लगाया कि चीन की सरकार और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा ओलंपिक का इस्तेमाल किया जा रहा है और चीन में मानवाधिकारों के हनन से दुनिया का ध्यान हटाने की कोशिश की जा रही है। गौरतलब है कि सेना के रेजिमेंट कमांडर क्वी फाबाओ 15 जून 2020 को पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों के साथ सीमा पर हुई हिसंक झड़प में घायल हो गए थे और चीन ने ओलंपिक समारोह में उन्हें मशाल वाहक के रूप में चुना है। गलवान घाटी संघर्ष में भारतीय सेना के 20 जवान शहीद हुए थे। पिछले वर्ष फरवरी में चीन ने आधिकारिक रूप से स्वीकार किया था कि उसके पांच सैन्य अधिकारी तथा जवान झड़प में शहीद हुए थे। बीजिंग में 24वें शीतकालीन ओलंपिक समारोह की शुरूआत शुक्रवार को होगी।

ओलंपिक के लिए पीएलए सैनिक को मशाल धारक चुनने को अमेरिकी सांसदों ने 'शर्मनाक' कहा

वाशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिका के शीर्ष सांसदों ने 2020 में गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों पर हमला करने वाली सैन्य कमान का हिस्सा रहे एक पीएलए सैनिक को चीन द्वारा बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक का मशाल धारक चुनने को बृहस्पतिवार को 'शर्मनाक' करार दिया है। अमेरिकी सीनेट की विदेश मामलों की समिति के सदस्य व रिपब्लिकन सीनेटर जिम रिस्च ने कहा कि अमेरिका, भारत की संप्रभुता का समर्थन जारी रखेगा। जिम ने ट्वीट किया, 'यह शर्मनाक है कि बीजिंग ने ओलंपिक 2022 मशाल धारक ऐसे व्यक्ति को चुना जो उस सैन्य कमान का हिस्सा था जिसने 2020 में भारत पर हमला किया था और जो उइगर मुस्लिमों का नरसंहार कर रहा है। अमेरिका उइगर की स्वतंत्रता और भारत की संप्रभुता का समर्थन जारी रखेगा।' एक अन्य ट्वीट में सीनेटर मार्को रुबियो ने कहा कि यह चीन की कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा बीजिंग शीतकालीन खेल 2022 के राजनीतिकरण का एक और अपमानित करने वाला उदाहरण है। उन्होंने कहा कि चीन द्वारा, 2020 में गलवान झड़प में शामिल रहे सैनिक को मशाल धारक के रूप में चुनना जानबूझकर उकसाने वाला कदम है। चीन ने बुधवार को की फाबाओ को खेलों की मशाल रिले में मशाल धारक के रूप में पेश किया था। पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के रेजीमेंटल कमांडर फाबाओ जून 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों के साथ झड़प में घायल हो गए थे। सार्वजनिक समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स की खबर के अनुसार फाबाओ ने विंटर ओलंपिक पार्क में वैंग मेंग से मशाल ही जो चीन की चार बार की ओलंपिक शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग चैंपियन हैं। नयी दिल्ली में भारत ने गुरुवार को घोषणा की कि बीजिंग में भारतीय दूतावास के मामलों के प्रमुख 2022 शीतकालीन ओलंपिक के उद्घाटन या समापन समारोह में हिस्सा नहीं लेंगे क्योंकि चीन ने गलवान घाटी झड़प में शामिल सैन्य कमांडर को इस प्रतिष्ठित खेल प्रतियोगिता का मशाल धारक बनाकर सम्मानित किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बाग्ची ने चीन के इस कदम को 'खेदजनक' करार दिया।

विंटर ओलंपिक सेरेमनी का भारत समेत कई देशों ने किया बायकॉट, जानिए पूरा मामला ?

वाशिंगटन (एजेंसी)

भारत और चीन के बीच चल रहे सीमा विवाद का असर बीजिंग विंटर ओलंपिक में दिखाई दे रहा है। आपको बता दें कि भारत ने पड़ोसी मुल्क चीन को करारा जवाब देते हुए ओलंपिक के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया। दरअसल, चीन ने विंटर ओलिंपिक के बहाने सियासत करने की कोशिश की। चीन ने बुधवार को खेलों की मशाल रिले निकाली। इसमें खिलाड़ियों के साथ एक मशाल धारक के रूप में की फाबाओ को पेश किया गया था।

मशाल रिले ले जाने वाला की फाबाओ साल 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारत और चीनी सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प में शामिल था। उस वक्त फाबाओ जख्मी हुआ था। हालांकि उसकी जान बच गई। इस हिंसक झड़प में भारतीय सेना के 20 जवान शहीद हो गए थे। जबकि अमेरिका समेत दुनिया के कई मीडिया हाउसेस ने दावा किया था कि चीन के 40 सैनिक मारे गए थे। हालांकि चीन ने मारे गए सैनिकों की संख्या नहीं बताई।

भारत ने किया बहिष्कार

भारतीय राजनयिकों ने बीजिंग विंटर ओलंपिक के भव्य उद्घाटन समारोह में हिस्सा नहीं लिया। एक पखवाड़े तक चलने वाले विंटर ओलंपिक की शुरूआत राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने की। हालांकि अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और कई पश्चिमी देशों ने उद्घाटन समारोह के राजनयिक बहिष्कार का फैसला किया है। इस बीच कोरोना महामारी संक्रमण का खतरा भी बरकरार है।

उद्घाटन समारोह से पहले जिनपिंग ने कहा था कि चीन सुरक्षित और शानदार शीतकालीन ओलंपिक खेलों के आयोजन के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेगा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के 139वें सत्र के उद्घाटन समारोह के दौरान जिनपिंग ने कहा कि चीन दुनिया के सामने सुरक्षित और शानदार खेलों के आयोजन के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेगा और ओलंपिक सिद्धांत सबसे तेज, उच्चतम, सबसे मजबूत-एक साथ पर काम करेगा।

भारत ने दिया था करारा जवाब

भारत ने घोषणा की थी कि बीजिंग में भारतीय दूतावास के मामलों के प्रमुख 2022 विंटर ओलंपिक के उद्घाटन या समापन समारोह में हिस्सा नहीं लेंगे क्योंकि चीन ने गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प में शामिल सैन्य कमांडर को खेल प्रतियोगिता का मशाल धारक बनाकर सम्मानित किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बाग्ची ने चीन के इस कदम को खेदजनक करार दिया। बीजिंग में आधिकारिक रूप से स्पष्ट किया गया है कि भारतीय दूतावास से कोई भी समारोह में हिस्सा नहीं लेगा।

विंटर ओलंपिक में हिस्सा ले रहा भारत का 6 सदस्यीय दल हालांकि अन्य देशों के खिलाड़ियों के साथ उद्घाटन समारोह में शामिल हुआ। साल 2008 के यादगार उद्घाटन और समापन समारोहों के साथ दुनिया को चकाचौंध करने के 14 साल बाद फिर से बीजिंग ओलंपिक खेलों का आयोजन कर रहा है।

ऐसे में भारत के स्की खिलाड़ी आरिफ खान हाथों में तिरंगा लिए दिखाई दिए। वही एकमात्र स्की खिलाड़ी ते जिन्होंने बीजिंग विंटर ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई किया है। आपको बता दें कि बीजिंग विंटर ओलंपिक में भारत, अमेरिका समेत 91 देशों के 2,871 खिलाड़ी 109 स्पधाओं में शामिल होंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

मध्य प्रदेश के सिंगरौली में अवैध खनन की जांच के लिए एनजीटी ने पैनल को दिया निर्देश

नई दिल्ली. नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में खनिजों के अवैध खनन के संबंध में शिकायत को देखने के लिए जिला वन अधिकारी और जिला मजिस्ट्रेट सहित दो सदस्यीय संयुक्त पैनल को निर्देश दिया है।

गुलाब कर्नल द्वारा दायर याचिका में जिले के चित्रंगी तहसील के महरिया गांव में खनिजों के खनन के लिए अवैध पट्टे के पीछे खनन माफिया पर आरोप लगाया गया है। न्यायमूर्ति बृजेश सेठी की पीठ ने संयुक्त समिति को शिकायत की जांच करने और उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए कानून के अनुसार उपचारात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

पीठ ने 2 फरवरी को एक आदेश में कहा, याचिका को तदनुसार निपटाया जाता है। आदेश की एक प्रति, शिकायत की एक प्रति के साथ, अनुपालन के लिए डीएफओ और जिला मजिस्ट्रेट को अग्रेषित की जाए, बेंच के आदेश को पढ़ें जिसमें न्यायिक सदस्य प्रोफेर ए सेंथिल वेल भी शामिल हैं।

दिल्ली की हवा में सुधार, एक्यूआई बेहद खराब से संतोषजनक

नई दिल्ली. दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शुक्रवार को सुधरकर संतोषजनक हो गया और राष्ट्रीय राजधानी में पिछले दिन तेज हवा के साथ हल्की बारिश होने के बाद यह बेहद खराब श्रेणी से 176 पर आ गया। शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा माना जाता है, 51 और 100 संतोषजनक, 101 और 200 मध्यम, 201 और 300 खराब, 301 और 400 बहुत खराब, 401 और 500 गंभीर माना जाता है। राष्ट्रीय राजधानी की हवा में पीएम 10 और पीएम 2.5 दोनों प्रदूषकों का स्तर मध्यम श्रेणी में था।

सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (सफर) ने एक अपडेट में कहा, एक्यूआई आज मध्यम वायु गुणवत्ता को इंगित करता है, कल की बहुत खराब हवा की गुणवत्ता से काफी सुधार हुआ है, जो बारिश और हवा में धूल भरी हवा के कारण हुई है। हल्की बारिश के कुछ दौर में आज एक्यूआई में और सुधार होने की संभावना है, लेकिन यह मॉडरेट के भीतर ही रहेगा। इसमें कहा गया है, शुक्रवार के बाद से, अपेक्षाकृत शांत सतही हवाएं चलने की संभावना है। वायु की गुणवत्ता खराब और फिर बहुत खराब हो सकती है क्योंकि प्रदूषकों के संचय की दर वेंटिलेशन की तुलना में अधिक होने की संभावना है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा जारी वायु गुणवत्ता और मौसम बुलेटिन के अनुसार, 5 फरवरी को हवा की गुणवत्ता मध्यम से खराब श्रेणी और 6 फरवरी को खराब से बेहद खराब श्रेणी में रहने की संभावना है। इसमें कहा गया है, सात फरवरी को हवा की गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में आने की संभावना है, लेकिन इसके बाद यह काफी हद तक खराब श्रेणी में रहेगी।

दिल्ली में नौ फरवरी को फिर बारिश की संभावना

नई दिल्ली. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार, दिल्ली में 9 फरवरी को फिर से गरज के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। राष्ट्रीय राजधानी में गुरुवार को तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हुई, जिसने अधिकतम तापमान को 14.4 डिग्री सेल्सियस तक गिरा दिया, जिससे 2003 के बाद से फरवरी में यह सबसे ठंडा दिन बन गया। दिल्ली में 19 साल पहले अधिकतम तापमान 14.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में 1970 में 12.3 डिग्री सेल्सियस और 1954 में 13.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जिससे गुरुवार, लगभग सात दशकों में फरवरी में चौथा सबसे ठंडा दिन बन गया। एक ताजा सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और इसके प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव के कारण बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार और शनिवार को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और अधिकतम तापमान 17 से 19 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 7 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। शुक्रवार सुबह आईएमडी ने न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया।

10 फरवरी तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश=20 और 9 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। सुबह 8.30 बजे रिलेटिव ह्युमिडिटी 97 फीसदी रही।

ओवैसी को मोदी सरकार ने दी Z श्रेणी की सुरक्षा

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल-मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर गुरुवार को हुए जानलेवा हमले के बाद मोदी सरकार ने जेड श्रेणी की सुरक्षा दे दी है.

नई दिल्ली.ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल-मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर गुरुवार को हुए जानलेवा हमले के बाद मोदी सरकार ने जेड श्रेणी की सुरक्षा दे दी है. इस हमले में ओवैसी बाल-बाल बचे थे. हमलावरों की गोलियां उनकी कार में लगी थीं. इस हमले के दो आरोपियों गोतमबुद्ध नगर के सचिन और देवबंद, सहारनपुर निवासी शुभम को हापुड़ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी सचिन ने कबूला है कि वह ओवैसी और उनकी पार्टी के नेताओं के भाषण से नाराज था. इसके विरोध में वह कई दिन से ओवैसी पर हमले की योजना पर काम कर रहा था.

सचिन ने पहले की थी ओवैसी की रैकी

हापुड़ पुलिस के मुताबिक मेरठ से दिल्ली आते समय सांसद असदुद्दीन ओवैसी पर शाम लगभग 5.20 बजे के आसपास दो अज्ञात लोगों ने हमला किया गया था. जांच के बाद पुलिस ने सचिन और फिर शुभम को गिरफ्तार किया गया. उनके पास से असलहा और घटना में इस्तेमाल कार भी बरामद की गई. जानकारी के मुताबिक असदुद्दीन ओवैसी गोली कांड का मुख्य आरोपी सचिन कई दिनों से उनकी रैकी कर रहा था. वह ओवैसी की मेरठ की सभा में भी गया था. शुभम के साथ हमले के लिए काफी दिन वह अच्छे मौके की तलाश में था. उनकी योजना थी कि वह असदुद्दीन ओवैसी को मारने के बाद वह सीधे पुलिस स्टेशन जाकर सरेंडर कर देंगे, ताकि भीड़ के गुस्से से बच जाएं.

चुनाव आयोग से करेंगे जांच की मांग

हमले के बाद असदउद्दीन ओवैसी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मुझे नहीं मालूम हमलावर कौन है. मेरे बहुत से दुश्मन हैं. राज्य व केंद्र सरकार इस घटना की जांच कराए यह उनका काम है. बिना किसी तरफदारी के जांच हो, क्योंकि जब एक सांसद के ऊपर चुनाव के दौरान हमला हुआ है, तो मैं चुनाव आयोग को भी इस घटना की जांच के लिए लिखूंगा. मेरी चुनाव आयोग से गुजारिश है कि इसकी जांच कराई जाए, ताकि पता लग सके कि इस घटना के पीछे कौन है और क्यों यह हमला हुआ. इसी हमले के सिलसिले में ओवैसी आज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से भी मुलाकात करने जा रहे हैं.

यूपी में सात चरणों में हो रहे हैं चुनाव

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में 7 चरणों में चुनाव होंगे. यूपी में इन चरणों के तहत 10 फरवरी, 14 फरवरी, 20 फरवरी, 23 फरवरी, 27 फरवरी, 3 मार्च और 7 मार्च को मतदान होगा. 10 मार्च को चुनाव के नतीजे आएंगे. साथ ही पहले चरण की शुरूआत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों से होगी और धीरे-धीरे कारवां बढ़ते हुए पूर्वी उत्तर प्रदेश पर जाकर समाप्त होगा. यूपी में इस बार भी चुनाव पिछली बार की तरह वेस्ट यूपी से शुरू होंगे. वहीं आखिरी चरण पूर्वांचल में होगा. पहले चरण में 58 और आखिरी चरण में 64 विधानसभा सीटों में वोटिंग होगी.

दो राज्यों को छोड़ पूरे भारत में घट रहे कोरोना केस, 24 घंटों में आए 1.49 लाख

देशभर के ज्यादातर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अब रोजाना ही कोरोना के मामलों में कमी आ रही है, लेकिन दो राज्य केरल और मिजोरम प्रमुख चिंता का विषय बने हुए हैं.

नई दिल्ली..बीते 24 घंटों में देश भर में कोरोना संक्रमण के 1 लाख 49 हजार 394 मामले आए हैं. गुरुवार को आए कोविड-19 मामलों की तुलना में ये 13 फीसदी कम हैं. हालांकि कोरोना की वजह से एक दिन में 1072 लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा. आंकड़ों के लिहाज से देखें तो केरल और मिजोरम को छोड़ कर बाकी सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कोरोना संक्रमण के मामले लगातार कम हो रहे हैं. इन मामलों के साथ देश में सक्रिय कोरोना संक्रमितों की संख्या 14 लाख 35 हजार 569 पहुंच गई है. अब तक कुल 5 लाख 55 लोग कोरोना की वजह से काल के गाल में समा चुके हैं. हर रोज की पॉजिटिविटी दर में भी सुधार आ रहा है, जो फिलवक्त 9.27 फीसदी है. अब तक 186 करोड़ 47 लाख कोविड वैक्सीन की डोज लोगों को दी जा चुकी है.

केरल और मिजोरम में फैल रहा कोरोना

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देशभर के ज्यादातर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अब रोजाना ही कोरोना के मामलों में कमी आ रही है, लेकिन दो राज्य केरल और मिजोरम प्रमुख चिंता का विषय बने हुए हैं. संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य, लव अग्रवाल ने वर्तमान कोरोना की स्थिति पर कहा, पिछले कुछ दिनों में कोरोना मामलों में गिरावट दर्ज की गई है. देश में सक्रिय मामले घटकर 14 लाख 35 हजार 569 पर आ गए हैं. देश के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कोरोना मामलों और पॉजिटिविटी रेट में गिरावट दर्ज की जा रही है, लेकिन केरल और मिजोरम में दोनों मामलों में वृद्धि देखी जा रही है.

इस तरह कम हो रहे राज्यों में कोविड केस

आंकड़ों की भाषा में बात करें तो 8 राज्यों में केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश में 50,000 से ज्यादा सक्रिय कोरोना मामले हैं. 12 राज्यों में 10-50,000 के बीच सक्रिय मामले हैं और 16 राज्यों में 10,000 से ज्यादा सक्रिय मामले कम है. पिछले एक सप्ताह में औसतन लगभग 2.04 लाख मामले सामने आए और साप्ताहिक औसत कोरोना पॉजिटिवटी रेट 12.98 प्रतिशत है.

यूपी का चुनावी घमासान : किसान संघ ने की बीजेपी के खिलाफ वोट करने की अपील

लखनऊ. संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के प्रति निष्ठा रखते हुए विभिन्न फार्म यूनियनों ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मतदाताओं से किसानों को धोखा देने के लिए आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को दंडित करने की अपील की है। अपील में एसकेएम नेताओं ने कहा, मिशन यूपी को बीजेपी के खिलाफ चलाया जाएगा, किसी और पार्टी के पक्ष में नहीं।

भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने कहा, इस किसान विरोधी भाजपा सरकार को चुनाव में दंडित करने की जरूरत है। केंद्रीय बजट में किसान केंद्रित नीतियां, यूपी के गन्ना किसानों को भुगतान में देरी और आवारा पशुओं की समस्या जैसे मुद्दों में शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा, जब वे आपका वोट मांगने आते हैं, तो उनसे पूछें कि उन्होंने इन मुद्दों पर किसानों के साथ विश्वासघात क्यों किया है। एसकेएम पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक पैम्फलेट वितरित कर रहा है जो एसकेएम का मुख्य अभियान उपकरण है। विरोध करने वाले किसानों के खिलाफ हमलों के मुद्दों को उठाने वाले पैम्फलेट में कहा गया है, भाजपा सरकार सच और झूठ की भाषा नहीं समझती है, या संवैधानिक और असंवैधानिक के बीच का अंतर नहीं जानती है। यह पार्टी केवल एक भाषा समझती है - वोट, सीट, सत्ता।

एसकेएम के घटक संगठनों के यूपी राज्य अध्यायों ने भी मतदाताओं को डराने के लिए धनबल के इस्तेमाल का मुद्दा उठाया। अखिल भारतीय किसान सभा के महासचिव हन्नान मुल्ला ने कहा, 57 यूपी संगठनों ने चुनाव से पहले किसी को भी पैसे बांटने से रोकने के लिए गांवों में एक गार्ड स्थापित करने और किसी भी अपराधी को पुलिस को सौंपने का फैसला किया है। एसकेएम ने चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश के नौ प्रमुख शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की योजना बनाई है।

पैलेस ऑन व्हील्स की तर्ज पर शुरू, एक रिटायर ट्रेन कोच में रेस्टोरेंट ऑन व्हील्स

नई दिल्ली. नागपुर रेलवे स्टेशन पर पैलेस ऑन व्हील्स की तर्ज पर एक रिटायर ट्रेन कोच में रेस्टोरेंट ऑन व्हील्स पर मशहूर हल्दीराम रेस्टॉरेंट शुरू किया गया है।

पैलेस ऑन व्हील्स की तर्ज पर ही इस रेस्टोरेंट को भी शाही लुक दिया गया ताकि यहां आने वाले रेलवे के शुरूआती दिनों के उन कोच का अनुभव ले सकें, जिसमें अन्य सुविधाओं के साथ ही सभी तरह का खान-पान उपलब्ध रहता था। दरअलस भारत में जितनी भी लक्जरी ट्रेन हैं, उनमें इसे सिरमौर माना जाता है। लक्जरी ट्रेनों में यह सबसे पहले शुरू भी हुई है, पैलेस ऑन व्हील्स इसमें ऐसे कोच लगे हैं जिसका इस्तेमाल कभी हैदराबाद के निजाम, राजपुताना राजवाड़े के शासक और ब्रिटिश वाइसरॉय किया करते थे।उसी शाही परिवारों के सदस्यों का अंदाज और रसूखदार को ध्यान में रखकर इस रेस्टोरेंट को डिजाइन किया गया है। रेलवे की मदद से नागपुर स्टेशन के बाहर एक रिटायर रेल कोच में बेहतरीन रेस्टोरेंट ऑन व्हील्स शुरू किया गया है। साथ ही इस रेस्टोरेंट को स्थानीय संस्कृति के आधार पर भी डेकोरेट किया गया है। खासतौर पर नमकीन व मिठाई के लिए मशहूर हल्दीराम ने इस रेल कोच को रेस्टॉरेंट के तौर पर डिजाइन किया है। इस रेल कोच रेस्टोरेंट में 40 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। रेस्टोरेंट ऑन व्हील्स में एक ग्राहकों के लिए एक डाइनिंग हाल भी बनाया गया है। इसमें स्टेशन पहुँचने वाले ग्राहकों की मांग पर नॉर्थ और साउथ इंडिया सहित सब तरह के व्यंजन उपलब्ध होंगी।

जानकारी के अनुसार फिलहाल रेलयात्रियों के मद्देनजर ह्वारेस्टोरेंट ऑन व्हील्स चौबीस घंटे और सातों दिन खुला रहेगा। इस रेस्टोरेंट में रेलवे यात्रियों के साथ ही आम नागरिक भी जा सकते हैं।

हालांकि पैलेस व्हील्स की सवारी बहुत महंगी है, आम लोग कम ही सफर कर पाते हैं पर इस रेस्टोरेंट के साथ ऐसा नहीं है। राजस्थान की सबसे नामी ट्रेन, पैलेस ऑन व्हील्स है जो दिल्ली से चलकर यात्रियों को राजस्थान के अलग-अलग किले और महलों वाले स्थान की सैर कराती है। इस ट्रेन में 39 डिलक्स केबिन और 2 सुपर डिलक्स केबिन हैं। इन डिलक्स केबिन में 82 यात्रियों को जगह दी जाती है। हर केबिन का नामकरण राजस्थान के महल और किले पर रखा गया है।

भाजपा ने पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार गीत जारी किया

नई दिल्ली. मतदान से पहले भाजपा ने शुक्रवार को पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए एक गीत जारी किया। भाजपा के पंजाब प्रचार गीत को पार्टी के लोकसभा सदस्य और भोजपुरी अभिनेता-गायक मनोज तिवारी ने गाया है।

सोशल मीडिया पर पंजाब उमर के बोला हूं रंग दे बसंती चोला नाम का गाना रिलीज किया गया।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गाने और वीडियो के लिए क्रिएटिव इनपुट दिए। बीजेपी पहले ही उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के लिए प्रचार गीत जारी कर चुकी है। भाजपा के राष्ट्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रभारी अमित मालवीय ने लगभग पांच मिनट लंबे अभियान गीत का वीडियो ट्विटर पर साझा किया।

यह गीत सिखों और पंजाब के लिए नरेंद्र मोदी सरकार की पहल पर प्रकाश डालता है। गीत कहता है कि प्रधानमंत्री मोदी देश के लिए जी रहे हैं और उन्होंने अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया है। यह पता चला है कि पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा के चुनाव सह प्रभारी केंद्रीय मंत्री पुरी ने व्यक्तिगत रूप से गाने के वीडियो के रचनात्मक हिस्से का निरीक्षण किया और यह सुनिश्चित करने के लिए कई दौर की चर्चा की कि यह अच्छी तरह से सामने आए। पार्टी के एक अंदरूनी सूत्र ने कहा, केंद्रीय मंत्री और पार्टी के चुनाव प्रभारी गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी पुरी के साथ गीत में अपना बहुमूल्य इनपुट दिया। शेखावत ने राज्य में मादक पदार्थों की लत जैसे कुछ मौजूदा विषयों को शामिल करने का सुझाव दिया। गीत करतारपुर कॉरिडोर खोलने, लंगर पर जीएसटी हटाने, 1984 के दंगों को न्याय दिलाने और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पंजाब को हर कदम पर मदद सुनिश्चित करने की बात करता है। पंजाब की लगभग 32 प्रतिशत दलित आबादी, जो चुनावों में निर्णायक भूमिका निभाते हैं, उन्हें देखते हुए गीत ने मोदी सरकार के पांच स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करने के फैसले के बारे में बात की। इस गाने में तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने के मोदी सरकार के फैसले का जिक्र है।

यह गीत सरकार द्वारा गुरु नानक देव, गुरु गोविंद सिंह और गुरु तेग बहादुर के प्रकाश पर्व मनाने की भी बात करता है। तिवारी ने आईएएनएस को बताया कि पंजाबी अंदाज में यह उनका पहला गाना है। उन्होंने कहा, मैंने अब तक 4,996 गाने गाए हैं और पंजाबी स्वाद के साथ यह मेरा पहला गाना है।

पंजाबी स्वाद में गाने का मौका पाकर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। पंजाब के लोग पंजाब के लिए मोदी सरकार द्वारा किए गए कार्यों को समझेंगे और विधानसभा चुनावों में एनडीए के नेतृत्व में भाजपा का समर्थन करेंगे। तिवारी ने पहले ही उत्तर प्रदेश के लिए दो अभियान गीत जारी किए और अगले कुछ दिनों में एक और जारी किया।

भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा रैलियों और सार्वजनिक सभाओं पर लगाए गए प्रतिबंध के बीच, राजनीतिक दलों ने पांच राज्यों में मतदाताओं को लुभाने के लिए आकर्षक गीतों के साथ एक-दूसरे के खिलाफ एक संगीत युद्ध शुरू किया है।

बंगाल चुनाव के बाद हुई हिंसा मामले में सीबीआई ने हत्या मामले में 2 आरोपियों की जानकारी देने वाले को इनाम देने की घोषणा की

बंगाल चुनाव के बाद हुई हिंसा मामले में सीबीआई ने हत्या मामले में 2 आरोपियों की जानकारी देने वाले को इनाम देने की घोषणा की

नई दिल्ली. केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल में एक भाजपा कार्यकर्ता की मां की हत्या के मामले में आरोपी की जानकारी देने वाले को 50 हजार रुपये का नकद इनाम देने की पेशकश की है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पीड़िता सोवा रानी मंडल, जगद्दल निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा बूथ अध्यक्ष कमल मंडल की मां की पिछले साल 2 मई को विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हुई हिंसा में मृत्यु हो गई थी।

19 अगस्त, 2021 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की एक रिपोर्ट के आधार पर, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने राज्य में चुनाव के बाद हुई हिंसा के दौरान रेप और हत्या के मामलों में सीबीआई जांच का आदेश दिया था।

सीबीआई के अनुसार, इस मामले में आरोपी व्यक्ति झरना मिस्त्री उर्फ ममोनी और प्रतिमा घोष उर्फ मऊ हैं, दोनों उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल के निवासी हैं।

सीबीआई की विशेष अपराध शाखा ने एक विज्ञापन में कहा कि सीबीआई ने प्रत्येक के खिलाफ 50,000 रुपये का नकद इनाम घोषित किया है, जो उनके बारे में सूचना देगा। सीबीआई ने कहा कि दोनों आरोपीयों के खिलाफ धारा 143, 144, 147, 148, 149, 449, 450, 452, 324, 326, 342, 427, 506, 302, 307, 354, 201 के तहत दर्ज मामले दर्ज हैं, और दोनों फरार हैं। उनकी सूचना देने वाले मुखबिर की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

हालांकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया था कि राज्य में चुनाव के बाद हिंसा की कोई घटना नहीं हुई थी, लेकिन एनएचआरसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021 में विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद रेप और हत्या के कई मामले सामने आए थे।

इससे पहले 28 जनवरी को भी जांच एजेंसी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ता अभिजीत सरकार की हत्या के मामले में सूचना देने वाले को 50 हजार रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई